लखनऊ

रविवार, 7 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 | अंक: 58

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

एक बात सदा याद रखना दोस्तों ! सुख में सब मिलते है, लेकिन दुख में सिर्फ भगवान मिलते है

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

बिहार चुनाव से पहले तेजस्वी का NDA पर सीधा हमला: अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर, विकास ठप

पटना, एजेंसी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार में विकास की कमी को लेकर एनडीए के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर निशाना साधा। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बिहार का यही हाल है। शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सेवा की हालत देखिए। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश के मामले में बिहार सबसे खराब स्थिति में है। किसानों की आय के मामले में बिहार सबसे निचले पायदान पर है। यहाँ न कोई उद्योग है, न कोई व्यवसाय। तेजस्वी यादव की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राज्य में साल के उत्तरार्ध में होने वाले विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने कल बिहार बंद के विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने बिहार में दुनिया भर की ठगी को बढ़ावा दिया। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में, यादव ने कहा, 'बिहार बंद के लिए, वे रैली की तरह ही लोगों को काम पर रख सकते थे। जैसे वे रैलियों में पुलिस और प्रशासन पर दबाव डालते हैं, वैसे ही बंद के लिए, वे खुद पुलिस से कह सकते थे कि ट्रैफ़िक रोक दिया जाए। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, भाजपा ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी का परचम लहरा दिया।' तेजस्वी ने आगे कहा कि भाजपा के गुंडों ने खुलेआम महिलाओं और शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुज़ुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ बदसलूकी की, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस रोकी और शहीदों के परिवारों को पीटा।

GST सुधारों से अब जीवन होगा आसान, अश्विनी वैष्णव ने बताया कैसे कम हुआ टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संवाददाताओं को बताया कि हाल ही में शुरू किए गए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर काम लगभग डेढ़ साल पहले शुरू हुआ था और इसका किसी भी बाहरी कारक से कोई लेना-देना नहीं है। उनसे पूछा गया था कि क्या जीएसटी सुधारों का भारतीय वस्तुओं पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ से कोई सीधा संबंध है। वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधारों की तैयारी लगभग डेढ़ साल पहले...अमेरिकी चुनावों से पहले शुरू हो गई थी। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के स्पष्ट लक्ष्य के तहत की गई थी। यह जीएसटी सुधार देश की परिवर्तन यात्रा शुरू करेगा। वैष्णव ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि डेढ़ साल से चल रही इस जीएसटी सुधार प्रक्रिया को अब अंतिम रूप दे दिया गया है...हर कदम पर, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारा मार्गदर्शन किया है...इस अगली पीढ़ी के सुधार में बाहरी कारकों की कोई भूमिका नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने जीएसटी से पहले के दौर के उदाहरण दिए, जब माल से लदे ट्रकों को ज़रूरी मंज़ूरी के लिए राज्य की सीमाओं पर लंबी कतारें लगानी पड़ती थीं। मंत्री ने कहा कि अब यह प्रक्रिया सहज है।

यूपी T20 लीग प्रदेश के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, बनाये जा रहे कई क्रिकेट स्टेडियम: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रीमियर T20 लीग का भव्य समापन शनिवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर फाइनल मैच का टॉस उछालकर शुभारंभ किया। काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच हुए इस रोमांचक मुकाबले ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। सीएम योगी के आगमन पर दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखा

पूरा स्टेडियम "योगी-योगी" के नारों से गूंज उठा। सीएम योगी ने बीसीसीआई वरिष्ठ पदाधिकारियों, सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मैच का लुत्फ भी उठाया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी टी-20 लीग युवाओं के लिए बेहतर है। सरकार सूबे में कई क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करा रही है।

गांव, ब्लॉक, जनपदों में नये स्टेडियम

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की खेल नीति की सराहना करते हुए कहा कि हर गांव में खेल मैदान, हर विकासखंड में मिनी स्टेडियम और हर जनपद में स्टेडियम बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। पुराने खिलाड़ियों को कोच के रूप में नियुक्त कर उभरते खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की योजना भी लागू की जा रही है। उन्होंने बीसीसीआई से अनुरोध किया कि 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश को कम से कम दो टीमें दी जाएं, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलें।

यूपी में खेलों को बढ़ावा के कार्य

सीएम योगी ने मैदान में पहुंचकर दोनों टीमों के कप्तानों और खिलाड़ियों से मुलाकात कर परिचय किया। उन्होंने स्टेडियम में तैयारियों में जुटे कर्मचारियों से भी बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन किया। सीएम योगी ने रोबोट चुलबुल से सिक्का लेकर फाइनल मैच का टॉस कराया और घंटा बजाकर मैच के शुभारंभ किया।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने सीएम का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इस वर्ष के अंत तक पूरा होगा, जिसमें 70% कार्य पूर्ण हो चुका है। अयोध्या और गोरखपुर में भी स्टेडियम निर्माणाधीन हैं, जबकि मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्टेडियम बनाए जा रहे हैं।

इस मौक़े पर बीसीसीआई के वरिष्ठ पदाधिकारी, यूपीसीए के वरिष्ठ पदाधिकारी, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष व राज्य सभा सांसद राजीव शुक्ला, यूपी टी 20 लीग के चेयमैन डॉ। डीएम चौहान, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई गणमान्य भी मौजूद रहे।

अयोध्या की रामलीला में मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका विश्वकर्मा बनेंगी सीता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करा चुकी मनिका विश्वकर्मा के हाथ एक और बड़ी उपलब्धि लगी है। मनिका अयोध्या में होने वाली सितारों की रामलीला में सीता की भूमिका निभाएंगी। मनोज तिवारी, रवि किशन, पुनीत इस्सर और रजा मुराद जैसे कई जाने-माने अभिनेता इस रामलीला का हिस्सा बनेंगे।

22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राम कथा पार्क में आयोजित होने वाली इस रामलीला में देश-विदेश के दर्शकों को एक अनोखा अनुभव मिलने वाला है। रामलीला के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और संस्थापक महासचिव शुभम मलिक ने जानकारी दी कि इस बार विश्व की सबसे बड़ी रामलीला में दर्शकों को और भी शानदार प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। पिछले वर्ष इस रामलीला को रिकॉर्ड तोड़ 45 करोड़ लोगों ने देखा था, जो अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है। दुनिया के कोने-कोने से इसे देखने वाले दर्शक इसे खास और अद्वितीय बनाते हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान की रहने वाली मनिका विश्वकर्मा मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। मनिका ने कहा कि वह लंबे समय से अयोध्या आने की सोच रही थीं, लेकिन अवसर नहीं मिल पाया। अब उन्हें भगवान श्रीराम की कृपा से सीता का किरदार निभाने का अवसर मिल रहा है, जो उनके लिए जीवन का अनमोल अनुभव है। मनिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह वर्ष उनके लिए बेहद खास है क्योंकि उन्हें एक ही समय में देश का प्रतिनिधित्व करने और अयोध्या की रामलीला में मां सीता का पावन किरदार निभाने का अवसर मिला है। बॉबी मलिक ने बताया कि इस बार रामलीला में कई चर्चित और नामी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। परशुराम की भूमिका में पुनीत इस्सर, बाली के रूप में मनोज तिवारी, केवट के किरदार में रवि किशन, हनुमान जी के रूप में राजेश पुरी, रावण के रूप में मनीष शर्मा, भगवान राम के रूप में राहुल गुच्चर, मेघनाद की भूमिका में रजा मुराद, राजा जनक के रूप में अवतार गिल, विभीषण के रूप में राकेश बेदी और भगवान लक्ष्मण के रूप में राजन मोदी नजर आएंगे।

देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों का काम नहीं, ये सभी की जिम्मेदारी : आर्मी चीफ द्विवेदी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक बयान में कहा है कि देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों का काम नहीं है बल्कि ये हर नागरिक की जिम्मेदारी है। आर्मी चीफ ने कहा 'नागरिक ही सैनिकों को सबसे पहले सूचना देते हैं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 72,000 से ज्यादा एनसीसी जवान थे, जिन्होंने ऑपरेशन के दौरान सभी जरूरी सहायता प्रणालियों का नेतृत्व किया और नागरिक की सुरक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया। यूक्रेन ने दुनिया को दिखाया है कि जब आम नागरिक अपने देश की रक्षा की जिम्मेदारी लेते हैं तो क्या होता है। उनकी भूमिका खुफिया जानकारी जुटाने, रसद और प्रतिरोध में साबित हुई है। इससे पता चलता है कि देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों का काम नहीं है, बल्कि ये सभी की जिम्मेदारी है।'

सीडीएस ने बताया बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत ने क्या सबक सीखा

शुक्रवार को गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग सबक सीखे। भारत ने जहां लंबी दूरी तक सटीकता से मार करने वाले हथियार और हमले के बाद नुकसान का आकलन करने की क्षमता पर ध्यान दिया, वहीं पाकिस्तान ने संभवतः अपनी एयर डिफेंस प्रणाली को मजबूत करने पर फोकस किया।

राजनीतिक नेतृत्व ने ऑपरेशन सिंदूर में दी थी पूरी आजादी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सीडीएस ने कहा कि जब राजनीतिक नेतृत्व से चर्चा हुई तो यह साफ हो गया कि सिर्फ ड्रोन और लोटरिंग म्यूनिशन (घूमते हुए लक्ष्य तलाशने वाले हथियार) से लक्ष्य हासिल नहीं होगा। बहावलपुर और मुरिदके में आतंकी ठिकाने तबाह करने के लिए एयर पावर का इस्तेमाल जरूरी था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने सेना को साफ निर्देश दिए थे कि आतंकी ठिकाने नष्ट करने हैं और तभी जवाबी कार्रवाई करनी है जब पाकिस्तान हमला करे।

मुंबई में धमाकों की धमकी देने वाला नोएडा से गिरफ्तार, 34 मानव बम लगाने का किया था दावा

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। मुंबई में बम धमाकों की गंभीर धमकी देने के मामले में उत्तर प्रदेश के नोएडा से अश्विन कुमार सुप्रा (50) नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपी मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। उसके पास से धमकी देने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने उसे मुंबई लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।

मुंबई ट्रैफिक पुलिस को हाल ही में उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश मिला था। इसमें दावा किया गया था कि शहर में 34 वाहनों में 34 मानव बम लगाए गए हैं। धमकी में कहा गया कि इन बमों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा, और विस्फोट से पूरी मुंबई दहल जाएगी।

इस संदेश में खुद को ₹लश्कर-ए-जिहादी₹ नामक आतंकी संगठन से जोड़ने का भी दावा किया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस चुके हैं। इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम कर दिए हैं और हर कोण से जांच की जा रही है। यह पहला मौका नहीं है जब मुंबई को बम धमकी मिली हो। पिछले महीने नवी मुंबई पुलिस को एक कॉल के जरिए सूचना दी गई थी कि मुंबई-अहमदाबाद उड़ान में बम है और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी उड़ाने की धमकी दी गई थी।

संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय को दोपहर 2 से 2:30 बजे के बीच दो कॉल प्राप्त हुए थे। हालांकि जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी, और कॉल करने वालों की पहचान कर ली गई थी। लगातार मिल रही धमकियों के चलते मुंबई पुलिस और अन्य एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस अड्डे, और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड लगातार गश्त कर रहे हैं।

ट्रंप के 50प्रतिशत टैरिफ का जवाब देगा भारत, निर्यातकों को बचाने के लिए मोदी सरकार खोलेगी खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ से परेशान निर्यातकों के लिए केंद्र सरकार जल्द ही एक बड़ा राहत पैकेज लाने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से मिली खबर के अनुसार, सरकार उन उद्योगों को बचाने के लिए एक विशेष योजना पर काम कर रही है, जो इस टैरिफ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ की मार झेल रहे कपड़ा , रत्न और आभूषण, चमड़ा और रसायन जैसे सेक्टरों को तत्काल राहत देने की तैयारी है। यह पैकेज ठीक उसी तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जैसा कोविड-19 महामारी के दौरान एमएसएमई सेक्टर को संकट से उबारने के लिए दिया गया था। सरकार का मुख्य उद्देश्य छोटे

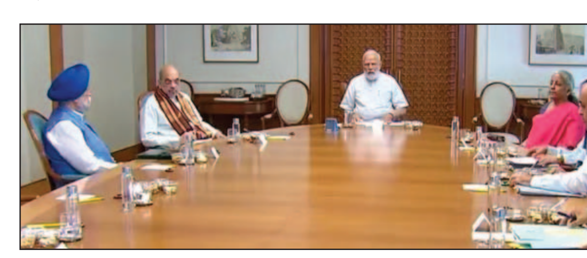

निर्यातकों को नकदी की कमी से बचाना, नौकरियों पर आए संकट को टालना और भारतीय उत्पादों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजार तलाशने में मदद करना है। हाल ही में अमेरिका ने भारत से आने वाले कई उत्पादों पर 50 फीसदी का भारी टैरिफ लगा दिया है। बताया जा रहा है कि इसमें 25 फीसदी टैरिफ रूस से तेल खरीदने के एवज में जुर्माने के तौर पर लगाया गया है। इस फैसले से भारतीय निर्यातक अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा से बाहर होने की कगार पर पहुंच गए हैं। सूत्रों का कहना है कि इस राहत पैकेज में छोटे निर्यातकों के लिए आसान कर्ज, पूंजी की दिक्कतों को कम करने के उपाय और उत्पादन को बिना रुकावट जारी रखने के लिए वित्तीय मदद जैसे कई ऐलान हो सकते हैं। इसके साथ ही, सरकार बजट में घोषित 'एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन' को भी तेजी से लागू करने पर जोर दे रही है, ताकि वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी को और मजबूत किया जा सके।

काशी विश्वनाथ मंदिर में 40 साल बाद ऐतिहासिक फैसला, पुजारियों को मिला राज्यकर्मी का दर्जा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों, अर्चकों और कर्मचारियों के लिए 40 साल का लंबा इंतजार खत्म हो गया है। गुरुवार को हुई श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद की 108वीं बैठक में ऐतिहासिक कर्मचारी सेवा नियमावली को हरी झंडी दे दी गई। इस फैसले के बाद मंदिर के सभी कर्मचारियों को अब राज्य कर्मचारी का दर्जा प्राप्त होगा, जिससे उनके वेतन में लगभग तीन गुना की भारी बढ़ोतरी होगी।

मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में करीब दो दर्जन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई, जिसने मंदिर के विकास और व्यवस्था की नई रूपरेखा तैयार कर दी

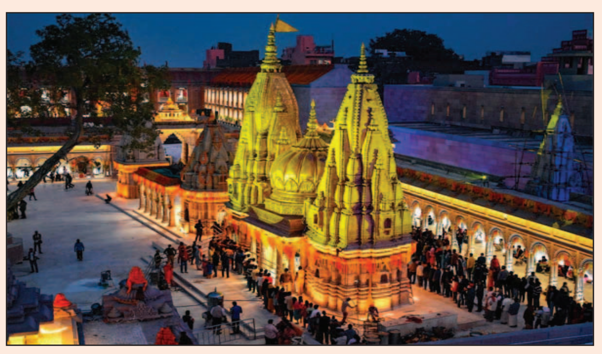

है। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने बताया कि नई नियमावली लागू होने के बाद मंदिर के पुजारियों और कर्मचारियों के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने बताया, 'अभी तक पुजारियों को लगभग 30 हजार रुपये मासिक मिलते थे, जो अब बढ़कर 80 से 90 हजार रुपये हो जाएगा।' वेतन के साथ-साथ अब कर्मचारियों को राज्यकर्मियों की तरह प्रमोशन, अवकाश, भत्ते और अन्य सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा। नियुक्ति के लिए चार श्रेणियों में ग्रेड और मैट्रिक्स तय किए जाएंगे। बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 1983 में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर का अधिग्रहण किया था, लेकिन तब से लेकर आज तक कर्मचारियों के लिए कोई स्थायी सेवा नियमावली नहीं बन पाई थी।

इन बड़े फैसलों पर भी लगी मुहर

विशालाक्षी माता मंदिर तक बनेगा कॉरिडोर: श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अब काशी विश्वनाथ धाम से विशालाक्षी माता मंदिर तक एक नया कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसके लिए भवन खरीदने की सहमति बन गई है।

डिजिटल संग्रहालय की स्थापना: काशी विश्वनाथ धाम में एक अत्याधुनिक डिजिटल संग्रहालय स्थापित किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं को मंदिर के इतिहास और महत्व से डिजिटल माध्यम से परिचित कराएगा।

विकास परिषद के कर्मचारियों का मानदेय 30% बढ़ा: मंदिर क्षेत्र विकास परिषद के कर्मचारियों का मानदेय 30 प्रतिशत बढ़ाया गया है।

वैदिक शिक्षा संस्थान के लिए जमीन: मिर्जापुर में स्थित मंदिर न्यास की भूमि पर वैदिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए उसे राज्य सरकार को दिया जाएगा।

संगम तीर्थ जल योजना: सभी ज्योतिर्लिंगों को एक-दूसरे से जोड़ने के लिए 'संगम तीर्थ जल आदान-प्रदान योजना को भी मंजूरी दी गई।

तिहाड़ जेल में सांसद इंजीनियर राशिद पर ट्रांसजेंडर कैदियों का हमला, सामने आए चौंकाने वाले आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के नेता और सांसद इंजीनियर राशिद हाल ही में तिहाड़ जेल के अंदर हुए एक हमले में बाल-बाल बच गए। पार्टी प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एआईपी प्रवक्ता के अनुसार, राशिद ने अपने वकील जावेद हुब्बी से जेल के अंदर उत्पीड़न के बारे में बात की। एआईपी ने कहा कि तिहाड़ जेल अधिकारियों ने कश्मीरी कैदियों को परेशान करने के नए तरीके ईजाद किए हैं, जानबूझकर उनके बैरकों में ट्रांसजेंडरों को उनके साथ रखा जाता है, जिन्हें भड़काने, हमला करने और शत्रुतापूर्ण माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सूत्रों ने बताया कि इंजीनियर राशिद पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में ट्रांसजेंडर कैदियों ने कथित तौर पर हमला किया। बारामूला के सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के बेटे ने कहा कि अवामी इत्तेहाद पार्टी ने एक बयान जारी कर बताया है कि इंजीनियर रशीद आज अपने वकील से मिलने वाले थे, जिस दौरान उन्होंने बताया कि जेल के अंदर उन पर कैसे एक भयानक हमला हुआ। यह न सिर्फ़ मेरे और मेरे परिवार के लिए, बल्कि तिहाड़ जेल में बंद लोगों के लिए भी बेहद चौंकाने वाला है। पार्टी और मैं इस हमले की निंदा करते हैं और प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और जेल अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि वे जेल में बंद कश्मीरी कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वह न सिर्फ़ एक राजनीतिक कैदी हैं, बल्कि उत्तरी कश्मीर से सांसद भी हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए... जेल में कश्मीरी कैदियों को ट्रांसजेंडर और गैंगस्टरों के साथ रखा जा रहा है।

पथराव, फायरिंग और लाठीचार्ज... छतें बनीं मैदान-ए-जंग, सुबह से शाम तक फेंके पत्थर, हुई गोलीबारी, हिंसक झड़प

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना इलाके के उमरी सब्जीपुर गांव में शुक्रवार की सुबह साढ़े 10 उमरी सब्जीपुर गांव में पंचायत चुनाव की पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सड़कों पर लाठियां फटकार कर दोनों पक्षों को तितर बितर कर दिया, लेकिन शुक्रवार सुबह फिर से दोनों के लोग छतों पर पहुंच गए।

इसके बाद करीब डेढ़ घंटे पथराव किया गया। आरोप है कि इस दौरान फायरिंग भी गई। इस घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। गांव में एहतियातन पुलिस तैनात कर दी गई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह गांव में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस निकाला जा रहा था। आस मोहम्मद पक्ष के राशन डीलर खलील के परिवार ने जुलूस के लिए बिरयानी बनाई थी। इस बार पंचायत चुनाव में पद पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे आरिफ के पक्ष के कुछ लोग भी बिरयानी खाने पहुंच गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई और देखते ही देखते यह बहस पथराव में बदल गई।

दोनों पक्षों ने की एक-दूसरे पर जमकर पथराव और फायरिंग

मौके पर पहुंची पुलिस और लोगों ने किसी तरह मामला शांत कराया और जुलूस को आगे बढ़ने दिया लेकिन शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार बजे फिर से दोनों गुट आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर पथराव और फायरिंग की। करीब डेढ़ चले पथराव से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

हिंसक झड़प में कई लोग घायल

लोग घरों में दुबक गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी योगेश कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने लाठियां भांजकर दोनों पक्षों को उनके घरों के अंदर जाने के लिए मजबूर किया। इस हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए। पुलिस घायल अरवाज, भूरा, सिब्ते, संजीदा, नदीम को जिला अस्पताल भिजवा दिया है हालांकि घायलों की संख्या ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस ने बचने को कई लोग निजी अस्पताल में ही अपना इलाज करा रहे हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि गांव का माहौल खराब कराने वालों का बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों को चिंहित कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है। पथराव और झगड़ा करने वालों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

उमरी सब्जीपुर में गैंगवार, गांव में तनाव

उमरी सब्जीपुर गांव में पिछले एक साल से दो गुटों के बीच लगातार पथराव, मारपीट और हिंसक झड़प की कई घटनाएं हो चुकी हैं आधा दर्जन से ज्यादा एफआईआर दर्ज की जा चुकह हैं बावजूद गांव में घटनाएं नहीं रुक पा रही हैं। जिससे आये दिन गांव में तनाव का माहौल बना रहता है। पिछले साल 9 सितंबर 2024 को मस्जिद में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले थे। इसके बाद 30 अगस्त 2024 को उमरी गांव में प्लॉट पर कब्जे को लेकर दो गुटों में झड़प हुई। इसके अलावा नौ जुलाई 2025 को प्रधान के चुनाव को लेकर गांव में तीसरी बार मारपीट और झगड़ा हुआ था। इन घटनाओं के बाद भी हिंसा का सिलसिला जारी रहा। 22 अगस्त 2025 को रतनपुर कला गांव में भी प्रधान चुनाव की रंजिश को लेकर हिंसक झड़प हुई थी। जिससे अगले ही दिन 23 अगस्त 2025 को दूसरे प्रधान प्रत्याशी पक्ष ने प्रधान पक्ष के 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। बढ़ते तनाव को देखते हुए उसी दिन पुलिस ने प्रधान और प्रधान प्रत्याशी दोनों के खिलाफ 15 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवे का मुकदमा दर्ज किया लेकिन लोगों का कहना है कि यह केवल कागजी कार्रवाई है और असली दोषियों पर कोई दबाव नहीं बनाया जा रहा है।

घरों में कैद हो गए लोग

शुक्रवार की शाम को जब पथराव शुरू हुआ तो लोग घरों में कैद हो गए। पथराव इतना जबरजस्त था की गई राहगीर भी इस पथराव में घायल हो गए। लोगों ने बताया कि चुनाव की रंजिश में यह लोग आम लोगों को भी निशान बना लेते है। उधर, पुलिस उपद्रव करने वालों की तलाश करने के लिए जगह जगह छापा मार रही है। कई लोग पुलिस ने हिरासत में लिए हैं। मुरादाबाद के उमरी सब्जीपुर गांव में शुक्रवार को ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान हुए बवाल के बाद पुलिस ने 27 लोगों को नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को गांव में सघन तलाशी अभियान चलाकर छतों पर जमा ईंट-पत्थरों को हटाया।

गांव में पुलिस बल तैनात है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। शुक्रवार को जुलूस के दौरान पुरानी चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट और पथराव हुआ था।

एक घंटे तक जमकर पथराव और फायरिंग

पुलिस व ग्रामीणों ने किसी तरह विवाद शांत कराया लेकिन शाम को विवाद फिर भड़क गया और दोनों पक्षों के बीच करीब एक घंटे तक जमकर पथराव और फायरिंग होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया और दो लोगों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

27 लोग नामजद, 50 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट

इस मामले में पुलिस ने अपनी ओर से गांव निवासी अस्कार, अरबाज, गुलजार, नूरा ठेकेदार, रियासत, निजाकत, आसिम, अरशद, गुफरान, आरिफ, राहिल, मोहम्मद रजा, सिफ्ते उस्ताद, मुजिस्मि, मारूख खान, सामिल, नौशाद, आरिफ, हैदर, आकिल, खान, अरमान, आबिद, शाने आलम, मुल्लानी, जिलहसन और आस मोहम्मद सहित 27 लोगों को नामजद करते हुए 50 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं, गांव निवासी आजम ने भी हैदर, अब्बास अली, आरिफ और नदीम के खिलाफ तहरीर दी है।

भाजपा के गढ़ में सेंध, बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख और जिलापंचायत अध्यक्ष सुभासपा में होंगे शामिल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सुल्तानपुर की राजनीति में इस वक्त सबसे बड़ा उलटफेर सामने आने वाला है। बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह और जिलापंचायत अध्यक्ष ने भाजपा से किनारा कर, भाजपा के ही सहयोगी दल सुभासपा में शामिल होने का मन बना लिया है। यह कदम न केवल जिले की राजनीति को हिला देने वाला है बल्कि इसौली विधानसभा के समीकरण पर भी प्रभाव डालेगा।छह सितंबर को बल्दीराय ब्लॉक सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुभासपा जिलाध्यक्ष विनीत सिंह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि 17 सितंबर को एक विशाल जनसभा में मंत्री ओम प्रकाश राजभर की मौजूदगी में दोनों नेता सुभासपा का दामन थामेंगे। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए कि पार्टी इसौली से शिवकुमार सिंह को मजबूत प्रत्याशी के रूप में उतार सकती है।

सहयोगी दल ही दे रहा भाजपा को बड़ा झटका , जिला की राजनीति में आयेगा भूचाल

पत्रकारों ने जब सवाल किया कि क्या भाजपा के ही ब्लॉक प्रमुख और जिलापंचायत अध्यक्ष को सुभासपा में लाना भाजपा को बड़ा झटका नहीं है, तो विनीत सिंह ने पलटवार किया "वे घटक दल के भीतर ही आ रहे हैं, इसे झटका कैसे कहा जा सकता है? जिन सीटों पर भाजपा लगातार हारती आई है, वहां से सुभासपा अपने प्रत्याशी उतारेगी। उनका यह बयान पूरे राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय बन गया है। माना जा रहा है कि भाजपा का सहयोगी दल होते हुए भी सुभासपा अब सीधे-सीधे भाजपा के प्रभावशाली चेहरों को अपने पाले में खींचकर चुनौती देने की तैयारी कर रही है। इससे जिले की राजनीति में भूचाल आना तय माना जा रहा है। विनीत सिंह ने दावा किया कि वह संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती देने में जुटे हैं। इस मौके पर जिला महासचिव मनोज शर्मा, प्रमुख महासचिव संतोष राणा समेत लगभग आधा दर्जन ग्रामप्रधान भी मौजूद रहे। सबसे अहम बात यह रही कि खुद बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह भी मीटिंग में पहुंचे और उनकी मौजूदगी ने सियासी कयासों को और हवा दे दी। फिलहाल, यह तय माना जा रहा है कि 17 सितंबर की जनसभा सुल्तानपुर की राजनीति में हलचल बना सकती है।

विवाहिता सहित दो ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर। जिले में दो थाना क्षेत्रों में विवाहित समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मियापुर में 17 वर्षीया कृष्णा पुत्र नरेश ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर लिया। परिजन ने जब शव को लटकते देखा तो कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। आशीष सोनी के मकान में किराए पर यह परिवार रह रहा था। मृतक के एक बहन तीन भाई है। मां ममता का रो रोकर बुरा हाल है। इसी के साथ गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरैया गांव के अनुसूचित बस्ती निवासी 23 वर्षीया विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।उक्त गांव निवासी अभिषेक कुमार की पत्नी संजना देवी तथा सास संगीता देवी घर पर रहते थे। अभिषेक तथा उसका भाई डेढ़ माह पूर्व रोजी रोटी के लिए अहमदाबाद रहते है।

बिना हेलमेट पेट्रोल देने से किया मना... युवती ने मचाया बवाल, महिला कर्मचारी को ही पीट डाला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक युवती ने 'नो हेलमेट नो पेट्रोल' अभियान की धज्जियां उड़ा दी। यहां बिना हेलमेट पेट्रोल भरवाने पहुंची युवती को महिला सेल्समैन ने पेट्रोल देने से मना कर दिया तो इस पर वह गुस्सा हो गई। इसके बाद युवती ने पहले उसे गालियां दीं और फिर बाल नोंचकर मार-पीट शुरू कर दी। जब महिला कर्मचारी ने जवाब देने की कोशिश की तो युवती ने उसे गिराकर पिटाई शुरू कर दी।

मामला रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के आजाद चौक स्थित इंडियन ऑयल के जेके फ्यूल स्टेशन का है। यहां शुक्रवार को बगैर हेलमेट पेट्रोल भराने आई युवती को पंप महिला कर्मी ने पेट्रोल भरने से मना किया तो, पेट्रोल भराने आई युवती ने सेल्स गर्ल्स से मारपीट शुरू कर दी। दोनों के युवतियों के बीच जमकर चले लात-घूंसे चले।

दोनों के मार-पीट का वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल, पुलिस ने पेट्रोल पंप पर काम करने वाली भरवलिया की रहने वाली नीशू राजभर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से मार-पीट करने वाली लड़की की तलाश कर रही है।

घटना सीसीटीवी में कैद

यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो में साफ देख सकता है कि भीड़ के बीच स्कूटी से बिना हेलमेट लगाए एक लड़की सफेद टी शर्ट में पेट्रोल भरवाने आई। उसके पास हेलमेट न होने पर पेट्रोल पंप पर काम करने वाली नीशू राजभर ने बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया। इसके बाद दोनों के बीच बहस होने लगी। युवती ने कहा कि वो यहां से पेट्रोल लेकर जाएगी, जिसके बाद युवती ने अपनी स्कूटी किनारे खड़ी कर दी। इसके बाद उसने पेट्रोल देने वाली लड़की के पास आकर उस पर हमला कर दिया और दोनों के बीच जमकर मार-पीट हुई। इसके बाद वहां मौजूद कुछ लोगों ने दोनों को पकड़कर किनारे किया।

नो हेलमेट नो पेट्रोल

दरअसल उत्तर प्रदेश में एक सितंबर से योगी सरकार ने नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान शुरू किया है। खुद सीएम ने लोगों से यात्रा के दौरान हेलमेट लगाने की अपील की है। इसके चलते पेट्रोल पंपों को निर्देश दिया गया है कि बिना हेलमेट किसी को भी पेट्रोल न दिया जाए, जिसके चलते बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है।

हाईकोर्ट अवध बार के अध्यक्ष एस चंद्रा का हुआ भव्य स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर में इंट्री करते हुए अमहट के पास सीनियर अधिवक्ता अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एस चंद्रा व महासचिव ललित किशोर तिवारी का जिले में पहली बार आगमन पर फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालो में सीनियर अधिवक्ता चंद्र भान तिवारी, इसके बाद कलेक्ट्रेट कैंपस में पूर्व बार अध्यक्ष अरुण उपाध्याय के नेतृत्व में राम कुमार सिंह, रणजीत सिंह, विपिन मिश्र, अनुराग द्विवेदी, जयंत सिंह, चंद्रमणि पांडेय, अभिषेक मिश्र शामिल रहे। कमिश्नरी बार संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन दुबे समेत कई अधिवक्ताओं ने किया। श्री चंद्रा का स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ फूल वर्षा की गई।

कचहरी में रखा था लावारिस बैग, जांच में जो मिला देखकर उड़े पुलिस–प्रशासन के होश, खंगाले जा रहे सीसीटीवी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। यूपी के अयोध्या से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां कचहरी परिसर में पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। कचहरी के शेड नंबर पांच में रूटीन चेकिंग के दौरान एक लावारिस बैग मिला। बैग की तलाशी ली गई तो उसमें चार कारतूस और दो तमंचे बरामद हुए।

इस बरामदगी के बाद कचहरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कड़ी सुरक्षा और मेटल डिटेक्टर लगे होने के बावजूद कचहरी परिसर में तमंचे कैसे पहुंच गए। सूत्रों की मानें तो सुबह 8 से 8.45 बजे के बीच किसी अपराधी तत्व ने बैग लाकर शेड नंबर पांच में रखा और मौके से फरार हो गया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ताकि, आरोपी तक पहुंचा जा सके।

डीएम और जिला जज से की जाएगी शिकायत

यहां बताते चलें कि 22 सितंबर 2007 को फैजाबाद कचहरी में सीरियल ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद यहां सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई थी। लेकिन, अब मेटल डिटेक्टर मात्र शोपीस बनकर रह गए हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह ने इसे गंभीर चूक बताते हुए डीएम और जिला जज से शिकायत करने की बात कही है। वहीं, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने कहा है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी होगी। जांच की जा रही है।

जिला जज ने की बैठक

मामले में जिला जज रणंजय कुमार वर्मा ने न्यायालय परिसर की सुरक्षा के संबंध में बैठक की। बैठक में न्यायालय परिसर के सुरक्षा प्रभारी सीजेएम सुधांशु शेखर उपाध्याय व नजारत प्रभारी एडीजे प्रदीप कुमार सिंह मौजूद रहे। जिला जज ने सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर और चाक-चौबंद करने के लिए और कदम उठाए जाने की बात कही है।

उन्होंने फोन पर वार्ता के दौरान जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर से सुरक्षा में हुई कोताही पर कार्रवाई करने की अपेक्षा की है। जिला जज ने एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह को कचहरी परिसर में तमंचे व कारतूस रखने की सत्यता की जांच करने का निर्देश दिया है। इसके बाद जिला जज ने जिलाधिकारी व एसएसपी के साथ कचहरी परिसर में आने और जाने वाले गेट की सुरक्षा व्यवस्था की जांच भी की।

डीएम कायार्लय के अनूप का प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन खेल में चयन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिले के डीएम कार्यालय में तैनात अनूप कुमार गुप्ता ने केन्द्रीय सिविल सर्विसेज सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025-26 हेतु उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए अयोध्या संभाग के सुलतानपुर जनपद से चयन हुआ। यह सेलेक्शन ट्रायल 03-04 सितंबर को अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स काम्पलेक्स, प्रयागराज में आयोजित किया गया। इस ट्रायल में प्रदेश भर के संभागों के बैडमिंटन खिलाड़ियों ने कोच मनीष गुप्ता के सानिध्य में प्रतिभाग किया। अयोध्या मंडल की तरफ से सुलतानपुर के जिलाधिकारी कार्यालय के अनूप कुमार गुप्ता का चयन किया गया। सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। अनूप कुमार गुप्ता ने पुरुष ओपेन वर्ग में में स्थान हासिल कर प्रदेश में सुलतानपुर जनपद का गौरव बढ़ाया। कलेक्ट्रेट में आयुध, आईजीआरएस व अन्य पटलों का कार्य संभालने के साथ ही अनूप ने यह मुकाल हासिल किया है। इस उपलब्धि के लिए कलेक्ट्रेट के कर्मचारी साथियों और शुभचिंतकों ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

दादा–दादी के पास नहीं रहना था... पहली कक्षा की छात्रा ने भिड़ाया ऐसा तिकड़म, सुना दी किडनैपिंग की कहानी, पुलिस में भी मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा से ऐसा मामला सामने आया है, जिससे जानकर आपको भी यकीन नहीं होगा। पहली कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची के एक झूठ से पूरा पुलिस महकमा और खुद उसका परिवार भी टेंशन में आ गया। बच्ची के मम्मी-पापा अलीगढ़ में रहते हैं। उन्होंने बच्ची को पढ़ाई के लिए दादा-दादी के यहां एटा में छोड़ा था। मगर बच्ची का दादा-दादी के घर पर मन नहीं लग रहा था। उसने प्लानिंग बनाई कि वो स्कूल से छुट्टी होने के बाद बिना किसी को बताए अलीगढ़ के लिए निकल जाएगी।

सिर्फ पांच रुपये के सहारे वह स्कूल से निकलकर रोडवेज बस स्टैंड तक पहुंच गई। यहां से आगे जाने के लिए वह अपनी योजना बना रही थी कि अचानक उसने किडनैपिंग की बात बस चालक को बताकर सभी को चौंका दिया। दो दिन तक चली जांच के बाद पुलिस ने पूरी घटना का पटाक्षेप किया है।

जिला अलीगढ़ थाना अकराबाद के गांव सिकंदरपुर निवासी संदीप कुमार ने बेटी पूर्वी का एटा के केंद्रीय विद्यालय कक्षा एक में दाखिला करा दिया था। पूर्वी का परिवार से अलग रहकर पढ़ने का मन नहीं था। परिजनों ने पूर्वी के मना करने के बाद भी उसे दादा के साथ पढ़ाई करने के लिए एटा भेज दिया। उसे रोजाना माता-पिता की याद आती थी। दादा भी उसे भेज नहीं रहे थे। गुरुवार को उनसे घर जाने की योजना अपने मन में बना ली। उसके पास पांच रुपये थे। जैसे ही स्कूल से छूटी वैसे ही उसने एटा रोडवेज बस स्टैंड पर जाने का रास्ता पूछा। वह ऑटो में बैठकर एटा रोडवेज बस स्टैंड पर पहुंच गई। वह अलीगढ़ जाने के लिए बस की तलाश कर रही थी। इसी समय किसी चालक ने उससे पूछ लिया तो पूर्वी घबरा गई। उसने बतााया कि मेरा किसी ने किडनैप कर लिया था। मैं छूटकर आई हूं। यह बात सुनकर ड्राइवर ने उसे पुलिस चौकी पर पहुंचा दिया। पुलिस ने पूछताछ की तो बच्ची ने बताया कि कुछ बाइक सवार लोगों ने मेरा अपहरण कर लिया था। फिर बेहोश करके ट्रक में भी डाल दिया था।

इसलिए कहा था बच्ची ने झूठ

पुलिस ने फिर इसकी जानकारी पूर्नी के पिता संदीप को दी। किडनैपिंग की बात सुनते ही परिवार के लोग परेशान हो गए। पिता ने पूर्वी के दादा को फोन कर सूचना दे दी कि वह एटा पहुंच गई है। उसका किसी ने किडनैप कर लिया था। पुलिस ने छात्रा को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था, लेकिन वो अपनी जांच भी कर रहे थे। पुलिस ने स्कूल से लेकर रोडवेज बस स्टैंड तक के कैमरे चेक किए तो कहीं पर भी कोई बदमाश या किडनैपर नहीं दिखा। बाद में बच्ची से पुलिस ने दोबारा पूछताछ की। तब उसने पूरा राज उगल दिया। बोली मैं यहां नहीं रहना चाहती थी। इसलिए झूठ कहा ताकि मम्मी-पापा के पास वापस जा सकूं।

सावधान ! पशुओं में बढ़ा लम्पी वायरस का खतरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिले में इन दिनों पशुओं में लम्पी वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है पशु चिकित्सकों के अनुसार यह एक गंभीर और जानलेवा रोग है, जिसका अभी तक कोई स्थाई इलाज नहीं खोजा जा सका है. लक्षणों के आधार पर ही उपचार होता है. अगर समय पर बीमारी की पहचान और इलाज न मिले, तो यह रोग पशुओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

जिले के दूबेपुर विकासखंड में पशुओं में लम्पी वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है क्षेत्र के भाईं, लौहर दक्षिण और आरडीह सहित कई गांवों में यह बीमारी देखने को मिल रही है। लम्पी वायरस एक संक्रामक रोग है जो खासतौर पर गाय और भैंस जैसे पशुओं में फैलता है. यह वायरस पशु के शरीर में पहुंचते ही उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है.संक्रमण की चपेट में आने पर पीड़ति पशु के शरीर पर गोल-गोल कठोर गांठें निकल आती हैं. इसके अलावा उन्हें तेज बुखार, आंख-नाक से पानी आना, लार का अधिक गिरना, थन सूज जाना और दूध की मात्रा कम होने लगती है. गंभीर स्थिति में पशु खाना-पीना भी छोड़ देता है और बहुत कमजोर हो जाता है।

दूबेपुर विकास खंड के पशु चिकित्सक डॉ. राजेश वर्मा बताते हैं कि यह वायरस मुख्य रूप से मच्छर, मक्खी और टिक (कीड़े) के जरिए पशुओ में फैलता है। बरसात और नमी वाले मौसम में लम्पी वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ता है पशुओं के बचाव के लिए पशुओं को साफ-सुथरे और सूखे स्थान पर रखना चाहिए. मच्छर और मक्खियों से बचाने के लिए पशुओं पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करना चाहिए।

डॉ वर्मा का कहना है कि लम्पी वायरस से घबराने की बजाय समय रहते सतर्क रहना जरूरी है. पशुपालकों को अपने पशुओं में जैसे ही लक्षण नजर आएं, तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण कराना जरूरी है। जल्द ही पशुओं के टीकाकरण का अभियान शुरू किया जाएगा।

ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया 20 फीसदी होगा कम, बोले- 'नो हेलमेट... नो फ्यूल' अभियान अच्छा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित परिवहन विभाग के कार्यक्रम में पहुंचे। इस मंच से उन्होंने प्रदेश को ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा दिया। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेशभर में 250 बसें संचालित की जाएंगी। प्रत्येक डिपो की 10% फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। सीएम आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों में बसों की भी सौगात दी।

इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि

परिवहन बदल रहा है। परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार है। फाइल लटकाने की आदत खत्म करनी होगी। समय की प्रतिबद्धता तय करनी होगी।।

समय का साथी है परिवहन विभाग

कुंभ और कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने करके दिखाया है। उस वक्त यूपी वासियों को उनके गांव तक पहुंचाया। उत्तराखंड के प्रवासी को भी पहुंचाया। चालक-परिचालकों ने सफलता पूर्वक पहुंचाया। महाकुंभ में भी परिवहन विभाग ने 45 दिन में तमाम लोगों की सेवा की। उन्हें पुण्य कमाने में मदद की। रेलवे स्टेशन से लोगों को बाहर पहुंचने में मदद की। परिवहन विभाग हमेशा प्रदेश के अंदर समय का साथी है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। आज कई नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। कामन सर्विस सेंटर पर लोग परिवहन की सेवा ले सकेंगे। आईआईटी, खड़गपुर के साथ MOU होना तकनीकी रूप से समृद्ध करेगा। 149 यात्री के लिए अहम है। यह मददगार साबित होगा। आज सात बस स्टेशन का शिलान्यास हो रहा है। 54 अन्य वर्ड क्लास स्टेशन बनेंगे।

सड़क सुरक्षा के लिए करना होगा जागरूक

सीएम ने कहा कि बेहतरी के लिए तैयार रहना होगा। सड़क सुरक्षा चुनौती है। यह हमारी ही जिम्मेदारी है। इसके लिए कोरोना की तरह ही लोगों को जागरूक करना होगा। क्योंकि, सड़क हादसों में लगातार मौतों हो रही हैं। अब हमें उसे न्यूनतम स्तर पर लाना है। यदि परिवहन निगम की लापरवाही से जनहानि होती है तो आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह की क्षति होती है।

ड्राइवर का हर तीन माह में मेडिकल फिटनेस होना चाहिए। ये सुनिश्चित करें कि चालक अंदाजे से न चलें। क्योंकि, बस में बैठे व्यक्ति की हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें। तत्परता दिखाएं। विभिन्न संस्थाओं को साथ जोड़ें। स्कूल कॉलेज में जागरूक करें। बताएं कि हेलमेट से कैसे बचा सकता है। शराब कैसे जनहानि पहुंचा सकती है। ये सारी बातें लोगों को बताएं। ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

सड़क सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी लेना होगा

मुख्यमत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि 'नो हेलमेट... नो फ्यूल' अभियान अच्छा है। इस तरह छोटे-छोटे प्रयासों की जरूरत है। सड़क सुरक्षा के लक्ष्य के लिए सभी को साथ लगना होगा। यूपी पुलिस को भी कहा है। उन्होंने एप विकसित किया है। काम किया तो परिणाम निकले हैं। जहां 18 दुर्घटनाएं होती थीं, वह तीन पर आ गई हैं। इस तरह के प्रयोग करना होगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों को उतरना पड़ेगा। टेंपो, रिक्शा, ट्रक के खड़े होने की जगह तय करनी होगी। यह परिवहन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है। नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन पर कार्य करना होगा। नगर और परिवहन विभाग मिलकर तीन लाख नई नौकरी विकसित कर सकते हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करें। कोई नाबालिग गाड़ी न चलाने पाए। यह सुनिश्चित करना होगा।

इन सेवाओं का भी हुआ शुभारंभ और उद्घाटन

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए 1.50 लाख जन सुविधा केंद्रों का उद्घाटन भी किया। साथ ही आठ इलेक्ट्रिक एसी डबल डेकर बसों, 16 इलेक्ट्रिक बसों, एक रिट्रोफिट इलेक्ट्रिक, 10 सीएनजी बसों, दो अन्य श्रेणी की एसी बसों, टाटा कंपनी की 20 साधारण बसों, आयशर कंपनी की 43 बसों का भी उद्घाटन किया। साथ ही 400 बीएस-सिक्स बसों का भी शुभारंभ हुआ। परिवहन विभाग की 11 इंटरसेप्टरों को भी हरी झंडी दिखाई गई।

चालक-परिचालक में 50-50 फीसदी बांटा जाएगा कमीशन

बताते चलें कि ग्रामीण जनता सेवा की बसों के लिए अलग से रूट बनाए जाएंगे। रूट के चालक-परिचालकों को 80% लोड फैक्टर लाना होगा। इससे अधिक कमाई होने पर चालक-परिचालक में कमीशन 50-50 फीसदी बांटा जाएगा। 2.6 पैसे प्रति किमी की दर से ड्राइवर व कंडक्टर को भुगतान किया जाएगा। जिन डिपो में जो बसें 8 से 10 साल की आयु पूरी कर चुकी होंगी, उन्हीं बसों को ग्रामीण जनता सेवा में चलाया जाएगा। अभी रोडवेज बसों का किराया 1.30 रुपये प्रति किमी की दर से यात्रियों से लिया जाता है, लेकिन जनता सेवा में 1.04 रुपये प्रति किमी की दर से लिया जाएगा। 100 रुपये किराया होने पर यात्रियों को 80 रुपये ही देने होंगे। परिवहन निगम अधिकारी बताते हैं कि सपा सरकार के कार्यकाल में लोहिया ग्रामीण बस सेवाएं चलाई गई थीं, वैसे ही मुख्यमंत्री ग्रामीण जनता सेवा चलाई जाएगी। ग्रामीणों को इससे लाभ होगा। छोटे बिजनेस करने वालों को अपना सामान बाजार तक पहुंचाना आसान होगा। फल, सब्जी और दूध आसानी से लाया और ले जाया सकेगा।

युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए उत्तर प्रदेश की पहल, ओडिशा के विश्व कौशल केंद्र और अन्य संस्थानों का दौरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। युवाओं के लिए उपयुक्त रोजगार सुनिश्चित करने हेतु कौशल अंतर (स्किल गैप) को दूर करना समय की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित 'विश्व कौशल केंद्र' (वर्ल्ड स्किल सेंटर), 'कौशल विकास संस्थान' (स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट) तथा 'केंद्रीय औजार कक्ष एवं प्रशिक्षण केंद्र' (सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर) का भ्रमण किया। इस टीम का नेतृत्व श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री अनिल राजभर ने किया।भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर ओडिशा सरकार के श्रम मंत्री गणेश राम सिंह खुंटिया ने उनका स्वागत किया। दोनों मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में युवाओं के कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। श्री अनिल राजभर ने उत्तर प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालय, रोजगार मिशन, महिलाओं की सहभागिता, तथा हाल ही में आयोजित रोजगार महाकुंभ की जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने श्री गणेश राम सिंह खुंटिया को उत्तर प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालय देखने के लिए आमंत्रित किया।इसके बाद टीम ने विश्व कौशल केंद्र का दौरा किया, जो भारत का पहला और अपनी तरह का अनूठा कौशल संस्थान है। 18 मंजिला इस केंद्र में 52 कौशल प्रयोगशालाएँ हैं, जहाँ भवन निर्माण से संबंधित तकनीकों – जैसे लिफ्ट और एस्केलेटर संचालन, एयर कंडीशनिंग, विद्युत प्रौद्योगिकी, इंटीग्रेटेड बिल्डिंग मैनेजमेंट – पर युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। टीम ने आतिथ्य प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षुओं से संवाद भी किया। केंद्र की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती रश्मिता पांडा ने टीम को विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया। मंत्री अनिल राजभर ने यहाँ के प्रशिक्षण कार्यों की सराहना करते हुए उत्तर प्रदेश में निर्माण श्रमिकों के लिए ऐसी प्रयोगशालाओं को स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की।इसके बाद अधिकारियों ने कौशल विकास संस्थान (एसडीआइ) का दौरा किया, जो तेल एवं गैस क्षेत्र की कंपनियों द्वारा स्थापित भारत का पहला केंद्र है। यहाँ इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, ओएनजीसी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया और अन्य प्रमुख संस्थाओं के सहयोग से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाता है। एसडीआइ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रंजन भौमिक ने टीम को प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन कराया। मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश सरकार और एसडीआइ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर युवाओं को बैचों में प्रशिक्षण देने की संभावना जताई।

कारागार मंत्री की अध्यक्षता में कारागार विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कारागार मुख्यालय सभागार में कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान की अध्यक्षता में कारागार विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभाग की प्रशासनिक एवं सुधारात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई और जेलों में सुधार एवं आधुनिकरण के लिए ठोस कदमों पर जोर दिया गया।कारागार मंत्री ने कारागारों में ओवरक्राउडिंग की समस्या और नए जेलों एवं बैरकों के निर्माण की प्रगति को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों पर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और जेलों के आधुनिकीकरण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।बैठक में कारागारों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। सीसीटीवी कैमरों की संख्या, उनकी कार्यशीलता, स्टोरेज क्षमता और पावर बैकअप की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। मंत्री ने निर्देश दिए कि निगरानी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास पर ध्यान देते हुए नियमित काउंसलिंग, योग, ध्यान और मनोवैज्ञानिक सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। कारागार मंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि कारागार विभाग में पारदर्शिता, अनुशासन और उत्तरदायित्व सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समयपूर्व रिहाई के प्रकरणों में समयबद्ध कार्यवाही आवश्यक है और अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय एवं संवाद कारागार प्रशासन की सुचारु कार्यप्रणाली के लिए अनिवार्य है।बैठक में महानिदेशक कारागार पी. सी. मीना, अपर महानिरीक्षक कारागार प्रशासन धर्मेंद्र सिंह, समस्त पुलिस उपमहानिरीक्षक/ उपमहानिरीक्षक कारागार, वरिष्ठ अधीक्षक, अधीक्षक और प्रभारी अधीक्षक सहित सभी क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ढोल भांगड़े के साथ हुई बप्पा की विदाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ढोल-नगाड़ों की गूंज और सैकड़ों आवाजों में एक साथ लगते गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया व अगले बरस तू जल्दी आना, के जयकारे के साथ शनिवार को बप्पा की विदाई के साथ गणपति विजर्सन के अवसर पर अर्जुनगंज के सरसवां से गोमती तट शहीद पथ इकाना स्टेडियम तक शोभा यात्रा निकाली गई। सरसवां निवासी श्रद्धा सिंह चौहान के द्वारा आयोजित गणपति विसर्जन की शोभायात्रा के दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने विसर्जन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सुबह सर्वप्रथम बप्पा की पूजा की गई, जिसके बाद आरती और शोभायात्रा का समापन शहीदपथ स्थित गोमती तट पर हुआ। इस दौरान सारे रास्ते श्रद्धालु बप्पा के जयकरों के साथ नाचते गाते गोमती तट तक पहुंचे। जहां सभी ने बप्पा से अगले बरस जल्दी आने की कामना करते हुए उनका विसर्जन किया। इस मौके पर पन्ना सिंह, मोती सिंह,, लवलेश अवस्थी, विनोद कुमार, जय सिंह यादव, विनोद कुमार, दिनेश पाल श्रध्दा सिंह रवि कुमार समेत भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे

दो चोरों को पुलिस ने भेजा जेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोसाईगंज लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने जनता के सहयोग से दो केबल चोरी करने वाले चोरों को गिरफ्तार उनके पास से चोरी का तार बिजली के बोर्ड तथा पेंचकस बरामद कर उन्हें जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को एनसीसी लिमिटेड टावर नं० एफ-05, फ्लैट नं0 1203 सरयू इन्क्लेव सुशांत गोल्फ सिटी के रहने वाले संजय कुमार सिंह के अनुसार अवध विहार योजना के सेक्टर डी में स्थित सरयू एन्क्लेव आवासीय बिल्डिंग का निर्माण कार्य एनसीसी लिमिटेड कम्पनी द्वारा किया गया है।शुक्रवार को वह अपने सहयोगी सुन्दरा मूर्ति व के० श्रीनू के साथ खाली पड़े फ्लैट का निरीक्षण कर रहे थे।तभी उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ दो लड़कों को कापर वायर चोरी करते हुए पकड़ा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूँछतांछ की तो एक ने अपना नाम दीपक यादव पुत्र नरेन्द्र यादव निवासी ग्राम घुसवल कला थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ बताया जबकि दूसरे ने अपना नाम शुभम कुमार पुत्र रामझलक निवासी ग्राम अलमापुर थाना लोनी कटरा जिला बाराबंकी बताया।पुलिस ने दोनों के पास से 5 किलो तार व 5 बिजली के बोर्ड तथा 1 पेंचकस बरामद कर उन्हें जेल भेज दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार पर मजदूर विरोधी नीति थोपने का आरोप, डॉ उदित राज ने की तीखी निन्दा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी असंगठित कामगार प्रकोष्ठ के चेयरमैन एवं पूर्व सांसद डॉ उदित राज ने शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार पर मजदूरों और कर्मचारियों के हितों की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, राजकुमार तिवारी, डॉ अंशू एन्थोनी, विनोद पवार, आदित्य राजपूत और विजय भारद्वाज भी शामिल रहे।डॉ उदित राज ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कर्मचारियों और मजदूरों के खिलाफ है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उनके अधिकारों पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा 19 अगस्त 2025 को दिए गए निर्णय – धर्म सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार – में स्पष्ट कहा गया था कि आउटसोर्स कर्मचारियों को 2002 से सभी लाभों के साथ नियमित किया जाए, लेकिन इसके उलट प्रदेश सरकार ने मंगलवार (2 सितंबर 2025) को आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन कर दिया, जो 93 विभागों के 11 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को मात्र 16,000 से 20,000 रुपये मासिक मानदेय पर तीन वर्षों के लिए नियुक्त करेगा।डॉ उदित राज ने इसे संविदा शोषण को वैध बनाने का प्रयास बताते हुए कहा कि यह कदम श्रमिकों को असुरक्षित नौकरी, बिना कैरियर प्रगति, बिना सामाजिक सुरक्षा और बिना सम्मान के जीवन की ओर धकेल देगा। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान श्रमिकों की गरिमा की रक्षा करता है और ऐसे समय में वेतन को सीमित कर देना, उनके योगदान का अपमान है। सरकार के "पारदर्शिता और कल्याण" के दावे खोखले हैं, क्योंकि प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण या औपचारिक अनुबंध से नौकरी की सुरक्षा, पेंशन या चिकित्सा सुविधा नहीं मिलती।उन्होंने केंद्र सरकार और भाजपा की "विकसित भारत" और "अमृत काल" की बातों को भी चुनौती दी और कहा कि असलियत में आउटसोर्सिंग का यह मॉडल श्रमिकों के अधिकारों का हनन कर रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि स्थायी कार्य करने वाले कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति से वंचित करना संविधान और न्याय का उल्लंघन है। अदालत ने आदेश दिया था कि उन्हें 2002 से नियमित किया जाए, रिक्तियों की स्थिति में अतिरिक्त पद बनाए जाएँ, पेंशन पुनर्गणना हो और मृतक कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को मुआवजा दिया जाए।डॉ उदित राज ने सरकार से माँग की कि आउटसोर्स सेवा निगम को तत्काल समाप्त किया जाए, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया शुरू कर स्वीकृत पदों पर सीधे नियुक्ति दी जाए, मौजूदा आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित किया जाए और समान कार्य के लिए समान वेतन तथा सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस नीति को वापस नहीं लेती तो असंगठित कामगार और कर्मचारी कांग्रेस पूरे प्रदेश और देश में श्रमिकों को लामबंद कर विरोध करेगी।डॉ उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब-जब वह सत्ता में आई अनुसूचित जाति व जनजाति के अधिकारों पर कुठाराघात किया। उन्होंने मायावती सरकार द्वारा 6 सितंबर 2011 को छात्रावासों में सामान्य वर्ग के लिए 30% आरक्षण दिए जाने और SC/ST एक्ट को कमजोर करने वाले आदेशों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्र छात्रावास की कमी से जूझ रहे हैं और इसके समाधान के लिए नए छात्रावास बनाने की आवश्यकता है।

• संक्षेप •

उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालयों ने NIRF-2025 में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)-2025 में प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने विभिन्न श्रेणियों में उच्च रैंक हासिल कर यह साबित किया कि उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा केंद्र बन रहा है।उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विश्वविद्यालयों की इस उपलब्धि पर सभी कुलपतियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रदेश सरकार की शिक्षा सुधार नीतियों और विद्यार्थियों की मेहनत का प्रत्यक्ष परिणाम है। मंत्री ने सभी विश्वविद्यालयों से अपील की कि वे अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाएँ और इस उपलब्धि को और आगे बढ़ाएँ। एनआईआरएफ-2025 में उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालयों ने विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय रैंकिंग प्राप्त की। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राज्य विश्वविद्यालय श्रेणी में 27वाँ स्थान हासिल किया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ को 41वाँ स्थान मिला। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने 51-100 के बैंड में स्थान पाया। फार्मेसी श्रेणी में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी ने 68वाँ और महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली ने 86वाँ स्थान हासिल किया।उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और अकादमिक उन्नयन का प्रमाण है। सरकार का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनें।

व्यावसायिक शिक्षा के 1510 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम रविवार को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 में घोषित अंतिम परिणामों में चयनित व्यावसायिक शिक्षा के 1510 विभिन्न व्यवसायों के अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से लोक भवन स्थित ऑडिटोरियम में किया जाएगा। प्रदेश के अन्य जनपदों में भी इसी अवसर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे, जहां सांसद और विधायक चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम न केवल चयनित अभ्यर्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा, बल्कि प्रदेश सरकार के संकल्प का प्रमाण है कि योग्यता और पारदर्शिता के आधार पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नशे में पैदल पुल से गिरकर व्यक्ति की मौत, परिवार में मचा कोहराम

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 में थाना मड़ियांव क्षेत्र के इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर बने पैदल पुल से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना दिनांक 05 सितंबर 2025 की रात लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली कि पुल से नीचे एक व्यक्ति गिरा पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना मड़ियांव की पुलिस टीम मौके पर पहुँची और घटनास्थल पर मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई। पूछताछ में पता चला कि मृतक का नाम सतीश रावत (उम्र लगभग 35-40 वर्ष), पुत्र सियाराम रावत, निवासी नौबस्ता पुलिया, थाना मड़ियांव, लखनऊ है। वह रोज़ाना की तरह इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर बने पैदल पुल पर सोता था और नशे की हालत में पुल से नीचे गिर गया।मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि सतीश रावत पिछले कुछ समय से नशे की लत से जूझ रहा था। इसी कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पुल से नीचे सड़क पर गिर पड़ा। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायल सतीश रावत को के.जी.एम.यू ट्रॉमा सेंटर इलाज के लिए भेजा, लेकिन वहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जनता के सहयोग से सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने पकड़ा केबल चोरी का गिरोह, दो शातिर गिरफ्तार

»पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों की इस हरकत से निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र में लगातार हो रही केबल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दक्षिणी जोन की थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने जनता के सहयोग से दो शातिर केबल चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से लगभग पाँच किलो बिजली का तार, छोटे-बड़े आकार के पाँच बिजली के बोर्ड तथा एक बड़ा पेचकस बरामद किया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।मामला 5 सितंबर 2025 का है, जब एनसीसी लिमिटेड कंपनी द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की अवध बिहार योजना के तहत सेक्टर 7 डी में निर्माणाधीन एक आवासीय परियोजना का निरीक्षण करने गए संजय कुमार सिंह अपने सहयोगियों के साथ खाली फ्लैट का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने दो युवकों को चोरी करते हुए पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान दीपक यादव (19 वर्ष), निवासी ग्राम घुसवल कला, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी और शुभम कुमार (20 वर्ष), निवासी ग्राम अलमापुर, थाना लोनी कटरा, जिला बाराबंकी के रूप में हुई।पुलिस को घटना की सूचना डायल 112 के माध्यम से दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को हिरासत में लेकर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लाया। संजय कुमार सिंह द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) तथा 317(2) के तहत कार्यवाही की गई। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे मौका देखकर खाली पड़े फ्लैट में घुसते थे और बिजली के तार चोरी कर लेते थे। चोरी किए गए सामान को आधे या पौने दाम पर बेचकर अपने शौक पूरे करते थे। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों की इस हरकत से निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था और क्षेत्रवासियों में भी असुरक्षा की भावना बढ़ रही थी। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किए गए सामान को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की और आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। क्षेत्रवासियों की मदद से की गई इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी और किसी भी अपराध पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस की इस कार्यवाही से क्षेत्र में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है और जनता में संतोष का माहौल बना है।यह कार्रवाई दक्षिणी जोन कमिश्नरेट लखनऊ की पुलिस टीम द्वारा की गई, जिसमें निरीक्षक और उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी तथा कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार पर मजदूर विरोधी नीति थोपने का आरोप, डॉ उदित राज ने की तीखी निन्दा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी असंगठित कामगार प्रकोष्ठ के चेयरमैन एवं पूर्व सांसद डॉ उदित राज ने शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार पर मजदूरों और कर्मचारियों के हितों की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, राजकुमार तिवारी, डॉ अंशू एन्थोनी, विनोद पवार, आदित्य राजपूत और विजय भारद्वाज भी शामिल रहे।डॉ उदित राज ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कर्मचारियों और मजदूरों के खिलाफ है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उनके अधिकारों पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा 19 अगस्त 2025 को दिए गए निर्णय – धर्म सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार – में स्पष्ट कहा गया था कि आउटसोर्स कर्मचारियों को 2002 से सभी लाभों के साथ नियमित किया जाए, लेकिन इसके उलट प्रदेश सरकार ने मंगलवार (2 सितंबर 2025) को आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन कर दिया, जो 93 विभागों के 11 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को मात्र 16,000 से 20,000 रुपये मासिक मानदेय पर तीन वर्षों के लिए नियुक्त करेगा।डॉ उदित राज ने इसे संविदा शोषण को वैध बनाने का प्रयास बताते हुए कहा कि यह कदम श्रमिकों को असुरक्षित नौकरी, बिना कैरियर प्रगति, बिना सामाजिक सुरक्षा और बिना सम्मान के जीवन की ओर धकेल देगा। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान श्रमिकों की गरिमा की रक्षा करता है और ऐसे समय में वेतन को सीमित कर देना, उनके योगदान का अपमान है।

व्हाइट हाउस से निराश यूरोप को अब पीएम मोदी से आस, वैश्विक शांति का निर्णायक सूत्रधार बनेगा भारत

अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा अक्सर आर्थिक समीकरणों से तय होती है। हाल के दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाए गए टैरिफ विवाद ने यूरोपीय संघ (EU) को झटका दिया है। अमेरिकी बाजारों पर निर्भरता और ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों ने यूरोपीय देशों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्हें अपने वैश्विक साझेदारों का दायरा बढ़ाना होगा। इसी कड़ी में भारत एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभर रहा है। हम आपको बता दें कि यूरोपीय संघ ने अब तक भारत के खिलाफ रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर कोई सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की बात नहीं की है। यह बहुत बड़ा संकेत है कि यूरोप, भारत को नाराज़ करने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। वजह साफ है— भारत न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और राजनीतिक संतुलन में उसकी भूमिका अहम हो चुकी है।

इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध के चलते यूरोप थकान और बेचैनी की स्थिति में है। अब तक की सारी कोशिशें— मसलन व्हाइट हाउस के दरवाज़े खटखटाने से लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ मंच साझा करने तक, किसी ठोस परिणाम तक नहीं पहुँची हैं। इसी परिदृश्य में यूरोपीय नेताओं ने भारत की ओर देखना शुरू किया है। यूरोपीय संघ (EU) और स्वयं यूक्रेन, इस युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की भूमिका पर नज़रें गड़ाए हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के विदेश मंत्री की भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ हुई वार्ताओं ने इस धारणा को और प्रबल किया है कि भारत की आवाज़ अंतरराष्ट्रीय मंच पर निर्णायक साबित हो सकती है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से संयुक्त टेलीफोन वार्ता की। इस बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की समीक्षा की गई और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला जैसी अहम विषयों पर प्रगति का स्वागत किया गया। दोनों पक्षों ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को जल्द निष्कर्ष तक पहुँचाने और IMEEC कॉरिडोर के क्रियान्वयन पर बल दिया। वॉन डेर लेयेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यूक्रेन का युद्ध वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए गहरा खतरा है और इसे समाप्त करवाने में भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारत की स्थायी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि भारत शांति और स्थिरता की बहाली के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं को भारत आने और 2026 में होने वाले अगले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उधर, यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की। सिबिहा ने युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी साझा करते हुए भारत से आग्रह किया कि वह अपनी "प्राधिकृत आवाज़ और सक्रिय भूमिका" से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के प्रयासों को गति दे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन एक 'न्यायसंगत शांति' की दिशा में काम कर रहा है और भारत की भागीदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम होगी। दोनों पक्षों ने आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में मिलने और राजनीतिक, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चीन में मुलाकात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता के अलावा निजी स्तर पर भी लंबी बातचीत हुई थी। इससे पहले 30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की से भी बात की थी और शांति बहाली का समर्थन दोहराया था। इस प्रकार, भारत एक ओर रूस के साथ अपने रणनीतिक और ऊर्जा संबंधों को बनाए रखे हुए है, वहीं दूसरी ओर यूरोप और यूक्रेन को आश्वस्त कर रहा है कि वह युद्ध को समाप्त करने के लिए रचनात्मक योगदान देगा। सवाल उठता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में भारत की भूमिका क्यों अहम है? इसका जवाब यह है कि भारत की स्थिति कई कारणों से अनूठी है। भारत रूस और पश्चिम— दोनों से संवाद बनाए रखने वाले कुछेक देशों में से है। लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षीय मंचों पर सक्रियता के कारण भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है। साथ ही दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और उभरती शक्ति होने के कारण भारत की बात को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी की "यह युग युद्ध का नहीं है" वाली घोषणा पहले ही वैश्विक राजनीति में एक नैतिक संदर्भ बन चुकी है। रूस-यूक्रेन युद्ध की दिशा फिलहाल अनिश्चित बनी हुई है। लेकिन यह तथ्य स्पष्ट है कि यूरोप और यूक्रेन भारत की भूमिका को निर्णायक मान रहे हैं।

भारत के प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान और विपक्ष कर रहा अपमान

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा।

मृत्युंजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनाव -2025 को लेकर राजनैतिक दलों की गतिविधियां तीव्र हो चली हैं । यद्यपि अभी वहां चुनाव होने में दो माह से अधिक का समय शेष है तथापि चुनावी घमासान चरम पर पहुंच गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को ठीक करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर कराया तो राहुल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकालने में लग गए जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन भी शामिल हुए।

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा। तमिल नेता स्टालिन को बुलाकर हिंदी भाषा का अपमान किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे व राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने पटना रैली में भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव आयोग के खिलाफ जी भरकर नफरत भरी बयानबाजी की और अपशब्द कहे। यात्रा अंतिम चरण तक पहुँचते पहुँचते इतनी जहरीली हो गई कि राहुल के करीबी नेताओं ने भरे मंच प्रधानमंत्री की माँ के लिए लिंगवाचक गालियों का प्रयोग कर दिया। इस प्रकार राहुल गांधी अपना परमाणु बम प्रभावहीन होने बाद हाइड्रोजन बम की तलाश में हैं।

वोटर अधिकार यात्रा अराजकता और राहुल गांधी व उनके समर्थकों की अनुशासनहीनता और अभद्रता के प्रदर्शन के कारण ही चर्चा में रही। जिस समय पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनना और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना चाह रहा है, उनके नेतृत्व में एक नया वर्ल्ड आर्डर आकार ले रहा है उस समय राहुल गांधी - तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं ने मोदी व उनकी मां तक का अपमान करने का कोई अवसर नही छोड़ा। राहुल गांधी के नेतृत्व वाला संपूर्ण विपक्ष बहुत ही ओछी प्रवृत्ति का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा।

बिहार के दरभंगा जिले में कांग्रेस के मंच से एक स्थानीय मुस्लिम नेता मोहम्मद रिजवी ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे, उससे भी

आश्चर्यजनक बात यह रही कि राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ता की उस शर्मनाक हरकत के लिए सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी बल्कि अलग अलग तरह से उसका बचाव किया। वोटर अधिकार रैली का सारा प्रकरण अब प्रधानमंत्री मोदी व उनकी मां के अपमान की ओर झुक गया। प्रधानमंत्री मोदी की मां के अपमान की चारों ओर निंदा हो रही है । जो लोग वोट चोर के नारे से नायक बनने निकले थे अब उनके चेहरे पर हवाईयां उड़ती दिख रही हैं।

पीएम मोदी को 111वीं गाली व मां का अपमान अब विपक्ष पर भारी- हर बार की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरोधी दलों के नेताओं की गालियों को अपना हथियार बना लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की महिलाओं को एक कार्यक्रम में भोजपुरी में संबोधित करते हुए इसे केवल अपनी मां का नहीं अपितु देश की हर मां बहन और बेटी का अपमान बताया। प्रधानमंत्री मोदी का यह भावुक संबोधन सुनकर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व वहां पर उपस्थित तमाम मातृशक्ति के आंखां में अश्रु आ गए। बिहार में भाजपा व राजग गठबंधन ने इसे लेकर सफलतापूर्वक पूर्ण बंद किया है। राजग गठबंधन की ओर से आयेजित बंद को बिहार में पूर्ण समर्थन मिल रहा है अनेक स्थानों पर महिला कार्यकर्ता ही बंद का आयोजन कर रही हैं।

इतिहास साक्षी है कि जब -जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहे गए हैं या उनका सार्वजनिक अपमान किया गया है तब -तब उन्हें राजनैतिक लाभ हुआ है। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तभी से कांग्रेस व विरोधी दलों के नेताओं में उन्हें अपशब्द कहने की होड़ लगी है। आज कांग्रेस का कोई नेता ऐसा नहीं बचा है जिसने उन्हें गाली न दी हो या फिर अपमानित न किया हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर से लेकर जहरीला सांप, नीच आदमी, रावण, भस्मासुर और वायरस तक कहा जा चुका है। दिसंबर 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि, यह बहुत नीच किस्म का आदमी है इसमें कोई सभ्यता नहीं है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने मोदी बोटी बोटी काटने की बात कही थी। बेनी प्रसाद वर्मा ने पागल कुत्ता बताया था। एक समय था जब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देने की झड़ी लगा दी थी। सोनिया और राहुल सहित कांग्रेस के 12 ऐसे नेता हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जमकर गालियां दी और हर गाली के बाद देश में जहां भी चुनाव हुए वहां का राजनैतिक वातावरण बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध निजी अपमानजनक टिप्पणी कांग्रेस को हमेशा नुकसान पहुंचाती है लेकिन यह बात राहुल गांधी व उनके सलाहकार समझ नहीं पा रहे हैं।

राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय मां के अपमान से अब बिहार की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। प्रधानमंत्री मोदी व एनडीए समर्थक कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व आक्रोष व्याप्त हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान एक मुस्लिम नेता ने किया है और राहुल गांधी ने केवल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ही वोटर अधिकार यात्रा निकाली है जिसका असर यह होगा कि अब वहां पर मतों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण होगा। बिहार की राजनीति में मातृशक्ति निर्णायक मतदाता है और नीतिश कुमार की सरकार में नारी शक्ति के हित में कई कार्य हुए हैं । उस पर मोदी जी की मां के अपमान से अब महिला मतदाताओं का एक बहुत बड़ा वर्ग राजग गठबंधन की ओर झुक जाएगा।

मां के प्रति अपमानजनक शब्द सुनकर प्रधानमंत्री मोदी का भावुक होना स्वाभाविक है। उनकी मां तीन वर्ष पूर्व नश्वर देह त्याग चुकी हैं, वे कभी राजनीति में भी नहीं रहीं ऐसी परिस्थिति में मां का अपमान कोई भी बेटा स्वीकार नहीं करेगा। यदि जिस दिन यह दुखद घटना घटी उसी दिन राहुल और तेजस्वी उसकी कड़ी निंदा कर माफ़ी मांग लेते तो बात इतनी आगे नहीं बढ़ती। राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अपने छुटभैये मुस्लिम नेता से प्रधानमंत्री और उनकी माँ को अपमानित कराकर ऐसा सेल्फ गोल किया है जिसकी भरपाई असंभव है।

अजब-गजब

कोरियन बंदे ने पहली बार खाया जिंदा ऑक्टोपस, देखते ही लोगों का भन्नाया दिमाग

आपने जानवरों को तो जिंदा जीवों का शिकार कर खाते देखा ही होगा, पर क्या आप जानते हैं कि कई देशों के लोग भी कुछ जीवों को जिंदा ही खा जाते हैं? जी हां, ये बिल्कुल सच है। चीन, जापान और कोरिया जैसे देशों में लोग कई तरह के कीड़े-मकौड़े भी खा जाते हैं, जिन्हें देख कर ही घिन्न आ जाती है। फिलहाल एक कोरियन शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वो जिंदा ऑक्टोपस को खाता नजर आता है। दिलचस्प बात ये है कि वो पहली बार जिंदा ऑक्टोपस खाता है और फिर ऐसा रिएक्शन देता है कि देखने वाले भड़क गए हैं।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि कोरियन बंदा हिंदी में बोलता है और प्लेट में दिखाता है कि जिंदा ऑक्टोपस कैसे नाच रहा है। फिर वह हैरान होते हुए कहता है, 'इसको कैसे खाएंगे?'। फिर वह अपने एक दोस्त से पूछता है कि इसे कैसे खाया जाता है, गले में तो नहीं फंसता, तो वो पूरी प्रक्रिया बताता है और खुद खा कर दिखाता है कि जिंदा ऑक्टोपस को कैसे खाया जाता है। उसके बाद कोरियन बंदा भी चॉपस्टिक से जिंदा ऑक्टोपस को उठाता है और झट से खा लेता है। खाने से पहले तो वह सोचता है कि पता नहीं उसका स्वाद कैसा होगा, क्योंकि वह पहली बार जिंदा ऑक्टोपस खाने जा रहा होता है। लेकिन जब वह खा लेता है तो उसकी तारीफ करते हुए कहता है कि ये अच्छा है।

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 40kahani नाम की आईडी से शेयर किया गया है, जिसे अब तक 1 मिलियन यानी 10 लाख से भी अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि 33 हजार से अधिक लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी हैं।

एक यूजर ने लिखा है, 'इसका पकौड़ा बना दो चार्ली भाई, मजा आएगा', तो एक अन्य यूजर ने पूछा है कि जिंदा ऑक्टोपस का टेस्ट कैसा लगा भाई?। वहीं, कुछ यूजर्स ने बंदे को वेजिटेरियन बन जाने की सलाह दी है तो एक यूजर ने लिखा है, 'ये जापान में भी मिलता है, लेकिन मैंने इसे कभी नहीं खाया। और इसपर आपका कंटेंट बनाना वाकई दिखाता है कि आप बहुत प्रामाणिक हैं और आलोचना से नहीं डरते'।

ब्लॉग

पीएम मोदी की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे?

कमलेश पांडे

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है।

वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाक़ात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फ़ोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाक़ात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा। कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ़ प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है।

यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाक़ात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फ़ीसदी अमेरिकी टैरिफ़ से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ़ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-ख़ासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार ज़ोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक़्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में मोदी की चीन यात्रा 'एक मोड़' है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाज़ार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है, जबकि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है।

चूंकि दुनिया ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बहुत अहमियत दी है। इसलिए अब वक़्त आ गया है कि दोनों देश सिर्फ इस बात पर ध्यान दें कि दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ यानी चीन और भारत, कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंध में एक बड़ी चुनौती सीमा विवाद भी है। ऐसा इसलिए कि भारत और चीन के बीच लंबे समय से अनसुलझा सीमा विवाद भी रहा है। हालांकि, दोनों देश आपसी विवादों को मिटाना चाहते हैं। विगत छह महीनों में भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कैलाश- मानसरोवर यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, वीज़ा में और ढील दी जा सकती है और अन्य व्यापारिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं।

वहीं, जो देश दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत और चीन को उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं, उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इन दोनों देशों के बीच आपसी संवाद होते रहना चाहिए। क्योंकि सीमा पर तकरार के अलावा भी दोनों देशों के बीच कई विवाद हैं। इनमें भारत में रह रहे तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और ब्रह्मपुत्र को लेकर विवाद प्रमुख हैं। पीओके और अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीनी नजरिया भी भारत के लिए अस्वीकार्य है। रही बात, चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने की, तो भारत इससे बहुत ख़ुश नहीं है। इसी तरह पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में चीन की गुप्त भूमिका भी इन संबंधों के लिए एक गम्भीर चुनौती है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पड़ोसी देशों के साथ भारत के उतने अच्छे संबंध नहीं रहे। जबकि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने तियानजिन हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा कि वह 'एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं से मिलने के लिए उत्सुक हैं।' ऐसा इसलिए कि भले ही एससीओ का प्रभाव सीमित है और इसमें शामिल देशों के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। फिर भी मोदी सरकार एक सार्थक पहल करने की इच्छुक है। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी के साथ मोदी की मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति हुई है।

भारत तो रूस के साथ साथ चीन व अन्य एससीओ सदस्य देशों के साथ आपसी रिश्ते में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। लेकिन कैसे ये संबंध बहुत आगे तक जाएँगे, इसकी बहुत गुंजाइश बनानी पड़ेगी। वैसे तो, भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत गहरे हैं। भारत और चीन के बीच वर्तमान में 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार जारी है। भारत इसे और बढ़ाने के साथ-साथ चीन से टेक्नोलॉजी के ट्रांसफ़र की भी इच्छा रखता है। ऐसे में सीधा सवाल है कि भारत और चीन एक दूसरे से क्या चाहते हैं? तो जवाब होगा कि भले ही भारतीय प्रधानमंत्री मोदी पिछले कई सालों से एससीओ की बैठकों में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों को इस बैठक में अवश्य भेजा था। वहीं अब, जब अमेरिका के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हो गए, तो भारत उन्हें यह दिखाना चाहता है कि उसके पास और भी अधिक विकल्प हैं। यह ठीक है कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव की वजह वो अमेरिकी कंपनियाँ हैं जो भारत में काम कर रही हैं, और जिसकी वजह से नौकरियाँ अमेरिका से बाहर जा रही हैं। लेकिन भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप को पाकिस्तान के साथ युद्धविराम का श्रेय नहीं दिया और रूस से तेल ख़रीदने जैसे मुद्दों से भी ट्रंप नाराज़ हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन के बीच एक रणनीतिक संघर्ष चल रहा है और यह लंबे समय तक चलेगा। क्योंकि भारत की वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा है और वह चीन को इस दौड़ में अपना प्रतिद्वंद्वी और बाधा मानता है। ठीक उसी तरह से जैसे अमेरिका भारत को। चूंकि भारत के पास चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी की कोई संभावना नहीं है और अंततः भारत को अपने लक्ष्यों को पाने के लिए लिए पश्चिमी खेमे के प्रति पुराने रुख़ पर ही काम करना होगा। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत की अपनी प्रतिरक्षात्मक नीतियाँ हैं। कभी वो अमेरिका के बहुत क़रीब चला जाता है और कभी बहुत दूर चला जाता। इससे क्षेत्र के सभी देशों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। चूंकि मोदी पांच सालों से चीन नहीं गए, इसलिए केवल किसी विशेष संदर्भ में जाकर वे कोई ख़ास बदलाव नहीं ला सकते। बावजूद इसके पीएम मोदी ने एक सकारात्मक पहल की है, जिसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। जहां तक पीएम नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा की बात है तो इससे पहले भी वो 7 बार जापान जा चुके हैं, लेकिन 7 साल बाद अब एक ऐसा संयोग बना जब किसी और मकसद नहीं, बल्कि खासतौर पर द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए पीएम टोक्यो गए थे। चूंकि, दोनों देशों के बीच गहरी व्यापारिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी है, जिसे भारतीय प्रधानमंत्री ने इस यात्रा के जरिये नए क्षेत्रों में बढ़ाया जा सकता है। वहीं, भारत-जापान इकॉनमिक फोरम में पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग, टेक्नॉलजी, इनोवेशन, ग्रीन एनर्जी और स्किल डिवेलपमेंट जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की अपार संभावना है। इसलिए जापानी कंपनियों को भारत में और निवेश करना चाहिए। चूंकि भारत के पास इस समय दुनिया की सबसे बड़ी कामकाजी युवा आबादी है,और जापान के पास तकनीकी दक्षता है। लिहाजा, दोनों मिलकर विकास की नई कहानी लिख सकते हैं।

भारत-जापान रिश्ते को अगर आंकड़ों में देखें, तो दोनों देशों के बीच 2023-24 में 22.85 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। जापान ने भारत में 40 अरब डॉलर से अधिक निवेश किया है। 1400 जापानी कंपनियां भारत में रजिस्टर्ड हैं और इनमें से करीब आधी मैन्युफैक्चरिंग फर्म हैं। जापान की ऑटोमोबाइल कंपनियों ने भारत में अपना जैसा दबदबा कायम किया है, उसे उदाहरण की तरह लेना चाहिए। जापान की सुजुकी, टोयोटा और होंडा के पास भारतीय वाहन बाजार में करीब 50% हिस्सा है। इन कंपनियों ने भारतीय जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाला है। इनके सफलता को दूसरी जगह दोहराने का यह बिल्कुल सही समय है। भारत और जापान हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए गठित मंच क्वाड (QUAD) के सदस्य हैं। लिहाजा, तकनीक, साइबर सुरक्षा, इंफ्रा में सहयोग के अलावा चार देशों के इस समूह का सबसे अहम लक्ष्य है चीनी आक्रामकता को बढ़ने से रोकना।

मुखबिरी के शक में बुजुर्ग की हत्या... नशा कारोबारियों ने पीट-पीटकर मार डाला, परिजनों और ग्रामीणों ने थाने को घेरा

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले सीबीगंज में स्मैक और चरस की मुखबिरी के शक में एक बुजुर्ग की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर जमकर हंगामा किया। दबाव बढ़ने पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीबीगंज थाना क्षेत्र के गांव तिलियापुर निवासी भूरे (58) गुरुवार शाम अचानक लापता हो गए। उनके बेटे अजीम ने बताया कि गांव के ही इमरान रजा और वसीम पिता को बहाने से घर से बुलाकर ले गए थे। देर शाम तक पिता घर नहीं लौटे तो चिंता हुई। इसी बीच खुशबुद्दीन उर्फ अंडा ने फोन कर सूचना दी कि

आपके पिता परधौली गांव के पीछे प्रधान के प्लॉट में पड़े हैं। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो भूरे को घायल हालत में पाया गया।

मौत की खबर सुनते ही

परिवार और ग्रामीणों में आक्रोश

परिजनों का आरोप है कि इमरान और वसीम स्मैक और चरस का धंधा करते हैं। भूरे उनकी हरकतों की मुखबिरी करते थे। इसी वजह से दोनों ने उन्हें रास्ते से हटाने की नीयत से पीट पीटकर उनकी हत्या कर दी। घायल भूरे को परिवार वाले इलाज के लिए अस्पताल ले गए। पुलिस को सूचना दी, लेकिन परिजनों का कहना है कि सीबीगंज इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार ने तत्काल कार्रवाई के बजाय केवल इलाज कराने की सलाह दी। शुक्रवार शाम इलाज के दौरान भूरे की मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिवार और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

गुस्साए परिजनों ने सीबीगंज थाने का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी अक्सर गंभीर मामलों में रिपोर्ट दर्ज करने से बचते हैं और टालमटोल करते हैं। इस मामले में भी पहले दिन सिर्फ एनसीआर दर्ज करने की कोशिश की गई थी। हंगामा बढ़ता देख पुलिस को आखिरकार कार्रवाई करनी पड़ी। भूरे के बेटे अजीम की तहरीर पर इमरान रजा और वसीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

मामले में पुलिस का क्या कहना है?

इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार का कहना है कि पहले दिन परिजनों ने कोई लिखित तहरीर नहीं दी थी। बाद में तहरीर दी गई, तब उसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं, एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि यदि इंस्पेक्टर पर टालमटोल करने का आरोप है, तो उसकी जांच कराई जाएगी। साथ ही भूरे के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। गांव के लोगों का कहना है कि आरोपी लंबे समय से चरस और स्मैक का कारोबार कर रहे हैं।

भूरे उनके खिलाफ मुखबिरी किया करते थे। इसी वजह से वह उनकी आंखों की किरकिरी बन गए थे। ग्रामीणों का मानना है कि इस वजह से ही दोनों ने मिलकर उनकी पिटाई की, जिससे उनकी जान चली गई। भूरे की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में मातम का माहौल है। लोग घटना को लेकर गुस्से में हैं और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक नशे का धंधा और इस तरह की घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं।

एक बार फिर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

वहीं सीबीगंज क्षेत्र में हुए इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों का आरोप है कि समय पर कार्रवाई होती तो भूरे की जान बच सकती थी। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले में कितनी गंभीरता से काम करती है और क्या आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच पाते हैं या नहीं।

तीन शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से जेवरात व नकदी बरामद

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण लगाने हेतु अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलीजेन्स के आधार पर आज दिनांक 06.09.2025 को तीन अभियुक्तगण विवेक मिश्रा पुत्र शिवकुमार मिश्रा निवासी फत्तापुरकला थाना टिकैतनगर जनपद बाराबंकी हिमाशु उर्फ मनीष कुमार पुत्र रामकुमार निवासी कृष्णानगर थाना कोतवाली नगर लकी गौतम पुत्र बब्लू गौतम निवासी आजादनगर निकट चन्द्रशेखर स्कूल थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को शुक्लाई नहर, लखनऊ-अयोध्या हाइवे से जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से जेवरात व नकदी बरामद किया गया। पूछताछ व जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्तगण का एक गिरोह है।

महिलाओं को यौन एवं रिप्रोडक्टिव हेल्थ के बारे में दी गई जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जनपद में संकल्प हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ़ वूमेन के अंतर्गत सितंबर माह में 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत निदेशालय महिला कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी के निर्देशन में हब की जागरूकता टीम द्वारा आज चौथे दिन थीम सेक्सुअल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ के अंतर्गत मुकेरी बाजार मीरजापुर स्थित कीर्तन भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण हब की जिला मिशन कोआर्डिनेटर डॉ0मंजू यादव द्वारा उपस्थित किशोरियों एवं महिलाओं को यौन एवं रिप्रोडक्टिव हेल्थ के बारे में जानकारी दी और महिलाओं को मासिक धर्म की समस्या एवं उससे होने वाले बीमारियों के बारे में जागरूक किया।

यह भी बताया कि मासिक धर्म के दौरान किस प्रकार से हमें हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए एवं मासिक धर्म कोई बीमारी नहीं है।अपनी रूढ़िवादी सोच को खत्म करना है। महिलाओं किशोरियों को मासिक धर्म में हाइजीन के प्रति प्रेरित करने के लिए सेनेटरी पैड का भी वितरण किया गया।जेण्डर स्पेशलिस्ट दिव्या जायसवाल द्वारा महिला परक योजनाओ शालिनी देवी द्वारा महिलाओं बालिकाओं हेतु निर्धारित टोल फ्री नंबरों व मातृ वंदना योजना के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही वन स्टाप सेंटर, चाईल्ड लाईन, शक्ति सदन, एसएसए सेंटर पर मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा द्वारा किया गया।जेंडर सेंसिटाइजेशन , लिंगानुपात एवं लिंग विभेद पर भी चर्चा की गई।उक्त कार्यक्रम में हब के समस्त कार्मिक, पाल्क संस्था की संरक्षिका एवं किशोरियां व महिलाएं उपस्थित रही।

चोरो ने दो घरों को निशाना बनाया, लगभग एक लाख की नगदी सहित हजारों के आभूषण उडाए

गोण्डा। थाना इटियाथोक के अहिरौलिया गांव में चोरों ने बीती रात दो घरों को निशाना बनाया। चोरों ने एक लाख रुपए के आभूषण और नगदी चुराई। पीड़ित शिव कुमार तिवारी और मालिक राम तिवारी के अनुसार वे परिवार के साथ आंगन में सो रहे थे। रात करीब 12 बजे चोर पेड़ के सहारे घर में घुसे। शिव कुमार के घर से चोरों ने संदूक में रखे आभूषण और 15 हजार रुपए नकद चुरा लिए। पत्नी के जागने पर चोर भाग निकले। इसी दौरान उनके चाचा मालिक राम के घर से भी चोरों ने संदूक से 10 हजार रुपए चुरा लिए। इससे पहले 30 अगस्त की रात भवनियापुर उपाध्याय चौराहा, रानीपुर और राजापुरवा गांव में पांच जगह चोरी हुई थी। भवनियापुर उपाध्याय चौराहे पर अंग्रेजी और देशी शराब की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने शराब और नगदी चुराई थी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पड़ोसी ने मासूम पर छोड़ा कुत्ता डॉग ने पैर में काटा, पिता बचाने गया तो दी ये धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मझोला थाना क्षेत्र में कुत्ते के काटने की एक गंभीर घटना सामने आई है। पीड़ित पक्ष द्वारा थाने में दी गई शिकायत के अनुसार यह घटना 28 अगस्त की सुबह करीब सात बजे की है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वह समाजवादी लोहिया आवास कॉलोनी में अपनी कार साफ कर रहा था, तभी पड़ोस में रहने वाले राकेश शर्मा अपने पालतू कुत्ते को घुमाते हुए वहां आ गए।

आरोप है कि राकेश शर्मा ने जानबूझकर अपने कुत्ते को शिकायतकर्ता के बेटे पर छोड़ दिया, जिसके बाद कुत्ते ने बच्चे के पैर में काट लिया। घटना के दौरान जब पीड़ित ने अपने बेटे को बचाने की कोशिश की तो राकेश शर्मा ने उसे धक्का दे दिया और धमकी दी कि तुम्हें भी कुत्ते से कटवा दूंगा। पीड़ित का कहना है कि इससे पहले भी

राकेश शर्मा उनके परिवार को कुत्ते से डराने और कटवाने की कोशिश कर चुके हैं।

आरोपी के खिलाफ इन धाराओं मामला दर्ज

बच्चे का नाम प्रतीक है। इस घटना के बाद घायल प्रतीक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित द्वारा मामले की लिखित शिकायत थाने में दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी राकेश शर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 291, 115(2) और 351(2) के तहत मामला पंजीकृत करते हुए जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का क्या कहना है?

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और पीड़ित को हर संभव कानूनी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पालतू या आवारा कुत्तों को बिना नियंत्रण के छोड़ना किसी भी समय गंभीर हादसे को जन्म दे सकता है। वहीं, पीड़ित परिवार ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डालसा सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी की अध्यक्षता में विकास खण्ड बंकी, तहसील नवाबगंज, जनपद बाराबंकी में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में श्री अनिल कुमार वर्मा बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जा रहा है। बाल विकास परियोजना अधिकारी के द्वारा गर्भवती महिलाओं को पोषण किस प्रकार से मिलेगा इसके बार में जागरूक किया गया व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी में यह भी बताया गया कि इस माह में विशेष कर 0 से 06 वर्ष तक के बच्चों के पोषण पर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा व गर्भवती महिलाओं को गर्भ के दौरान चना, दलिया, गुड़ आदि प्रकार का पोषण लेना चाहिए। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी द्वारा बताया गया कि बच्चों को कुपोषण से बचाने हेतु उनके आहार पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। बच्चों के आहार में पौष्टिक आहार वाली चीजे जैसे दूध, दलिया, गुड़ आदि चीजे जरूर देनी चाहिए जिससे बच्चों को आवश्यक मात्रा में प्रोटीन मिल सकें व कुपोषण से बच सकें। इस अवसर पर श्रीमती संस्कृता मिश्रा खण्ड विकास अधिकारी, बंकी व तमाम आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रही।

आगरा पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री... जुटी हजारों की भीड़, प्रशासन ने क्यों स्थगित करवाया कार्यक्रम?

आर्यावर्त संवाददाता

बागेश्वर धाम। बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री उत्तर प्रदेश के आगरा पहुंचे। उनके आगमन पर यहां आशीर्वचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। राजदेवम क्षेत्र में ये कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन ऐन मौके पर इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। कार्यक्रम के लिए प्रशासन से इजाजत ली गई थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम स्थल पर करीब 5 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन मौके पर 4 गुना ज्यादा लोग पहुंच गए। ऐसे में कार्यक्रम के लिए मिली अनुमति को रद्द कर दिया गया, जिस वजह से कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा।

आशीर्वचन कार्यक्रम के लिए बाबा धीरेंद्र शास्त्री 6 सितंबर, शनिवार को 11:30 बजे ही आगरा पहुंच गए थे। तब से वह कार्यक्रम स्थल से 9 किलोमीटर दूर खंदारी स्थित पदम प्राइड अपार्टमेंट में आयोजक और कारोबारी पुष्कल गुप्ता के घर पर रुके थे। 1 बजे वह राजदेवम गार्डन में भक्तों को आशीर्वाद देने लिए पहुंचते और करीब 2 घंटे वह भक्तों के बीच रहते।

कार्यक्रम स्थगित करने की सूचना जारी

लेकिन इससे पहले ही 12 बजे प्रशासन की ओर से कार्यक्रम को स्थगित करने की सूचना जारी कर दी गई। इसको लेकर कारण बताया गया कि पहले कार्यक्रम को तारघर मैदान में आयोजित किया जाना था, लेकिन फिर कार्यक्रम स्थल को बदलकर राजदेवम गार्डन कर दिया गया। कार्यक्रम स्थल में बदलाव बारिश की वजह से किया गया था। बाबा के पहुंचने की जानकारी मिलते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ कार्यक्रम स्थल पर इकट्ठा हो गई। 5 हजार लोगों के बैठने की जगह पर करीब 20 हजार लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिस वजह से कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा।

170 किलोमीटर लंबी पदयात्रा

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जल्द ही एक नई पदयात्रा निकालने जा रहे हैं। इस यात्रा की शुरुआत 7 नवंबर को दिल्ली से होगी और 16 नवंबर को वृंदावन में समापन होगा। लगभग 170 किलोमीटर लंबी यह यात्रा दस दिनों में पूरी की जाएगी। इस कार्यक्रम को "बागेश्वर बांके बिहारी मिलन, सनातन हिंदू एकता पदयात्रा" नाम दिया गया है। इस यात्रा की तैयारी को लेकर 1 सितंबर को वृंदावन में साधु-संतों की बैठक की गई थी। बैठक में बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि भारत को तोड़ने की साजिशें चल रही हैं और विदेशी ताकतें इसमें सक्रिय हैं। उन्होंने कहा था कि सनातन पर लगातार सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

यमुना के साथ हिंडन नदी का डबल अटैक, जलमग्न हुए नोएडा के कई सेक्टर, इन इलाकों का भी बुरा हाल

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ के हालात हैं। शुक्रवार को यमुना का जलस्तर घटने के बाद भी निचले इलाकों में बाढ़ का संकट है। यमुना अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, नोएडा में तो लोग यमुना के साथ हिंडन नदी का अटैक झेल रहे हैं। सेक्टर-150 में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। मोमनाथल समेत कई गांवों में 200 से ज्यादा घरों में पानी भर गया है। इससे पांच हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सेक्टर-150 में यमुना और हिंडन का मिलन हो रहा है। इसके अलावा कासना से आने वाला एक नाला भी यहां मिल रहा है। जहां यमुना और हिंडन का मिलन हो रहा है, वहीं मोमनाथल गांव है। जिस बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। गांव के लोग या तो यहां से पलायन कर गए हैं या गांव के पीछे की ओर चले गए हैं। लोग ट्रैक्टरों के सहारे अपने घरों तक जा रहे हैं।

अब तक कोई प्रशासनिक सहायता नहीं पहुंची

गांव में तीन-चार दिन से पानी भरा हुआ है, लेकिन अब तक कोई प्रशासनिक सहायता नहीं पहुंची है। ऐसा आरोप लोगों ने लगया है। 10 हजार से अधिक झुग्गियों का निर्माण यमुना के 16 किमी लंबे पुश्ते पर किया जा चुका है। कोंडली और पंडितों की डेरी में भी लोगों के घरों में पानी घुस चुका है। राबूपुरा के चंडीगढ़ गांव के 350 लोगों को बचाने में एनडीआरएफ की 30 सदस्यों की टीम जुट गई।

ऐसा इसलिए क्योंकि दो दिन पहले यमुना की पुरानी धार राबूपुरा के चंडीगढ़ गांव से कुछ ही दूर पर कट गई, जिससे यमुना का पानी गांव के रास्ते पर मुड़ गया। गुरवार रात को गांव की पुलिया के ऊपर से पानी बहने के बाद रास्ता बंद हो गया। इससे गांव के लगभग 350 लोग फंस गए। सेक्टर-150 में पुश्ते किनारे बसी एटीएस प्रिस्टिन सोसाइटी के लोग भी यमुना और हिंडन का जलस्तर बढ़ने से चिंता में पड़ गए हैं।

सोसाइटी में बना फार्म हाउस और गौशाला जलमग्न

एटीएस प्रिस्टिन सोसाइटी के पीछे से यमुना बह रही है। यही नहीं सोसाइटी के ठीक सामने हिंडन है। पहले सिर्फ यमुना का पानी पुश्ते तक आया था। अब हिंडन का पानी भी आ गया है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सोसाइटी में बना फार्म हाउस और गौशाला जलमग्न हो गई है। यमुना और हिंडन के जलस्तर में भले ही शुक्रवार को कमी आई हो, लेकिन नाले ओवरफ्लो हैं। नालों के ओवरफ्लो होने की वजह से सोसाइटी और पुश्ते पर पानी वापस आ रहा है। इससे लोगों की समस्याएं बढ़ गई हैं। कई इलाकों में बरसाती नालियों और नालों का पानी इकठ्ठा हो गया। ऐसा सेक्टर-168 में बने रेगुलेटर के तीनों पैनल यानी गेट बंद होने के कारण हुआ। सेक्टर-150 के हाईराइज सोसाइटियों के लोग भी दिक्कतें झेल रहे हैं। फिलहाल 19 बाढ़ चौकियों से निगरानी रखी जा रही है।

कानपुर में खुला अनोखा टाइम बैंक... पैसे से नहीं, समय का होगा लेन-देन

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। जब भी बैंक का नाम आता है, हमारे मन में पैसों के लेन-देन की तस्वीर उभरती है। लेकिन कानपुर शहर में पहली बार ऐसा बैंक खुला है, जहां रुपये-पैसे का कोई काम नहीं होगा। यहां हर सदस्य अपने खाते में समय जमा करेगा और जरूरत पड़ने पर समय ही निकाल सकेगा। इस अनोखे प्रयोग का नाम है- टाइम बैंक। इस बैंक की खासियत यह है कि इसमें सदस्य अपनी सेवाओं के बदले घंटे जमा करते हैं।

उदाहरण के तौर पर अगर कोई सदस्य किसी बुजुर्ग की सेवा में दो घंटे लगाता है, तो उसके खाते में उतने घंटे दर्ज हो जाते हैं। बाद में जब उसे खुद किसी काम में मदद चाहिए होगी, तो वह उन्हीं घंटों को अपने खाते से निकाल सकता है।

जानकारी के अनुसार, टाइम बैंक

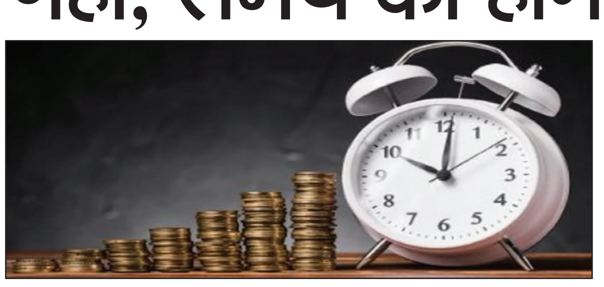

की शुरुआत सबसे पहले जापान में हुई थी। वहां बुजुर्गों की देखभाल के लिए परिवारजन समय नहीं निकाल पाते थे, तो समाज के लोगों ने मिलकर यह व्यवस्था बनाई। धीरे-धीरे यह मॉडल कई देशों में फैल गया। आज भारत में भी सात हजार से अधिक लोग टाइम बैंक से जुड़े हुए हैं और अब कानपुर भी इस पहल का हिस्सा बन गया है। कानपुर के महेश कुमार, जो इस प्रयोग के सक्रिय सदस्य हैं, बताते हैं कि यह बिल्कुल सेविंग अकाउंट की तरह है। फर्क सिर्फ इतना है कि इसमें रुपये की जगह घंटे जमा होते हैं। विदेशों में तो सरकारें टाइम बैंक को समर्थन भी देती हैं और सदस्यों को सेवा कार्यों के लिए निर्देशित करती हैं। कानपुर में फिलहाल इसे समाजिक पहल के तौर पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

करवानी पड़ेगी रजिस्ट्रेशन

महेश कुमार बताते है कि इस सेवा की प्रक्रिया वेबसाइट और ऐप से शुरू होती है। सबसे पहले अपने रजिस्ट्रेशन कराना होता है और ई-केवाईसी होती है। इसके बाद आप एक दूसरे की सेवा या समय ले सकते है। उदाहरण के तौर पर अगर कोई अस्पताल में भर्ती है और उसको दो घंटे या इससे ज्यादा भी सेवा करने के लिए किसी की आवश्यकता है तो वह अपनी डिमांड भेज सकता है। जो इस सेवा के लिए राजी हो जाएगा उसको सेवा करनी होगी। सेवा खत्म होने के बाद जितने घंटे सेवा की उतने उसके खाते में जुड़ जाएंगे जिसका इस्तेमाल वो अपनी सेवा के लिए कभी भी कर सकता है। यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क है। कानपुर में करीब 25 लोगों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अब जैसे ही एडमिन की नियुक्ति होगी वैसे ही यहां भी सेवा शुरू हो जाएगी।

बैंककर्मी और डॉक्टर भी जुड़े

कई रिटायर्ड बैंककर्मी और डॉक्टर भी इस बैंक से जुड़ चुके हैं। उनका कहना है कि यह पहल सेवानिवृत्त लोगों और अकेलेपन से जूझ रहे बुजुर्गों के लिए संजीवनी साबित हो सकती है। इससे न केवल मदद मिलती है, बल्कि समाज में आपसी जुड़ाव और सेवा की भावना भी मजबूत होती है। सदस्य बनने के लिए पंजीकरण कराना जरूरी है, जिसमें आधार, पैन या अन्य पहचान पत्र देना होता है। इसके बाद सदस्य का खाता खोला जाता है और उसमें समय दर्ज होने लगता है। खास बात यह है कि यहां हर व्यक्ति के समय की बराबर कीमत है। कानपुर का टाइम बैंक अब धीरे-धीरे और लोगों को जोड़ने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य सिर्फ सेवा देना ही नहीं, बल्कि समाज में यह संदेश फैलाना है कि असली दौलत समय है और हर व्यक्ति का समय समान रूप से मूल्यवान है।

मुख्य सेविकाओं की तैनाती प्रक्रिया शुरू : ऑनलाइन पोर्टल पर भरनी होंगी प्राथमिकताएं

बाराबंकी। महिला एवं बाल विकास विभाग में नवचयनित मुख्य सेविकाओं की तैनाती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके लिए विभाग ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है, जहां चयनित अभ्यर्थियों को अपने पसंदीदा जनपदों की प्राथमिकताएं भरनी होंगी। इस संबंध में निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की विज्ञप्ति संख्या 05-परीक्षा 2022 के तहत चयनित मुख्य सेविकाओं को जनपदवार तैनाती दी जानी है। इसके लिए ऑनलाइन विकल्प भरने की प्रक्रिया और दिशा-निर्देश पोर्टल पर उपलब्ध हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टल का लिंक और मार्गदर्शिका समाचार पत्रों के माध्यम से भी प्रकाशित कराई जाएगी।

देश में हर तीसरी मौत का कारण हृदय रोग, रिपोर्ट में सामने आई अन्य बीमारियों की डरावनी तस्वीर

भारत में दिल की बीमारियों का खतरा अन्य रोगों की तुलना में सबसे अधिक देखा जा रहा है, ये हर साल होने वाली मौतों का प्रमुख कारण भी है। कुछ दशकों पहले तक हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारियों के रूप में जाना जाता था हालांकि अब कम उम्र के, यहां तक कि 20 से भी कम आयु के लोग इसका शिकार हो रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि हर साल लाखों भारतीय हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं और इसमें बड़ी संख्या युवा पीढ़ी की भी है। 30-35 साल के युवा जो खुद को फिट और एनर्जेटिक मानते थे, अचानक हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपको ऐसी खबरें आए दिन देखने को मिलती होंगी।

हृदय रोग और इससे मौत के मामलों को लेकर आई एक हालिया रिपोर्ट में भी इस खतरे को लेकर अलर्ट किया गया है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के तहत किए गए सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि भारत में होने वाली सभी मौतों में से एक-तिहाई का कारण हृदय रोग हैं। दिल की बीमारियां देश में मृत्यु दर का प्रमुख कारण बनी हुए हैं, जो लगभग 31 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार हैं।

विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि जिस तरह से लोगों की दिनचर्या, खानपान में गड़बड़ी देखी जा रही है इससे आशंका है कि ये आंकड़े और भी बढ़ सकते हैं।

नॉन कम्युनिकेबल डिजीज और मृत्यु का बढ़ता खतरा

'मृत्यु के कारणों पर रिपोर्ट: 2021-2023' नामक शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नॉन कम्युनिकेबल डिजीज देश में मृत्यु का प्रमुख कारण हैं, जो सभी मौतों का 56.7 प्रतिशत है। इसके अलावा संचारी रोग, मातृ स्वास्थ्य में दिक्कत, प्रसवकालीन और पोषण संबंधी स्थितियां 23.4 प्रतिशत मौतों का कारण बनती हैं। कोविड से प्रभावित साल 2020-2022 की अवधि में ये आंकड़े क्रमशः 55.7 प्रतिशत और 24.0 प्रतिशत थे।

जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर हृदय रोग और इससे मृत्यु का खतरा बढ़ता देखा जा रहा है। इसके बाद श्वसन संक्रमण 9.3 प्रतिशत, घातक और अन्य नियोप्लाज्म 6.4 प्रतिशत तथा श्वसन रोगों के कारण 5.7 प्रतिशत मौतें होती हैं।

और किन कारणों से हो रही हैं मौतें?

हृदय रोगों के चलते 30 से अधिक के आयु वर्ग में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं, जबकि जानबूझकर चोट पहुंचाना-आत्महत्या के मामले 15-29 आयु वर्ग में मृत्यु का सबसे आम कारण है।

रिपोर्ट में चिह्नित मृत्यु के अन्य कारणों में पाचन संबंधी रोग (5.3 प्रतिशत), अज्ञात कारण से बुखार (4.9 प्रतिशत), मोटर वाहन दुर्घटनाओं के अलावा अनजाने में लगी चोटें (3.7 प्रतिशत), मधुमेह (3.5 प्रतिशत) और जननांग संबंधी रोग (3.0 प्रतिशत) शामिल हैं।

विशेषज्ञों ने कहा, चोट लगने से 9.4 प्रतिशत मौतें होती हैं जबकि अस्पष्ट कारणों से 10.5 प्रतिशत लोगों की जान जा रही है। हालांकि, अस्पष्ट कारणों का अधिकांश हिस्सा अधिक उम्र (70 या उससे अधिक) में देखा जा रहा है।

क्या कहती है रिपोर्ट?

रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि परिणामों की सावधानीपूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए क्योंकि कारणों के गलत वर्गीकरण की संभावना को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता है। अध्ययन से ऐसे निष्कर्ष सामने आए हैं, जिनसे निश्चित रूप से देश में मृत्यु दर की स्थिति और उससे जुड़ी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, जिस तरह से हृदय रोगों के मामले बढ़ते जा रहे हैं इसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

हृदय स्वास्थ्य को लेकर विशेष देखभाल की जरूरत

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, आज का युवा भागदौड़ में इतना उलझ गया है कि नींद पूरी नहीं लेता, खाना वक्त पर नहीं खाता और तनाव को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना चुका है। ऊपर से तली-भुनी चीजें, जंक फूड और स्क्रीन पर घंटों चिपके रहने की आदत ने शरीर को अंदर से खोखला करना शुरू कर दिया है। नतीजा ये कि दिल समय से पहले ही थकने लगता है।

अगर पिछले दशक के आंकड़ों पर नजर डालें तो हृदय रोग से मौत के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों ने कहा है कि सभी लोगों को कम उम्र से ही इस विषय की गंभीरता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अलावा जिन लोगों की हृदय रोगों की फैमिली हिस्ट्री रही है, उन्हें और भी सावधानी बरतनी चाहिए।

रेड मीट में होता है भरपूर आयरन, फिर भी इसे क्यों माना जाता है सेहत के लिए हानिकारक?

क्या आप भी मांसाहारी आहार का सेवन करते हैं? अक्सर अंडा-मछली और मांस खाते हैं तो थोड़ा सावधान हो जाइए। कहीं आपका पसंदीदा मांस डाइट सेहत के लिए बड़ी समस्याएं न खड़ी कर दे? रेड मीट यानी मटन, पशु आधारित खानपान का एक अहम हिस्सा रहा है। इसे पसंद करने वालों की संख्या भी काफी बड़ी है। पर क्या आप जानते हैं कि इस प्रकार के मांस का सेवन फायदे की जगह आपकी सेहत के लिए बड़ी मुश्किलें पैदा करने वाला हो सकता है?

वैसे तो रेड मीट को आयरन से भरपूर माना जाता है, पर कई शोध बताते हैं कि जो लोग इसका अधिक सेवन करते हैं उनमें ब्लड प्रेशर, इंफ्लेमेशन से लेकर कई अन्य प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता है।

रेड मीट, आयरन के साथ प्रोटीन और विटामिन बी12 का भी अच्छा स्रोत है। लेकिन शोध बताते हैं कि इसका अधिक सेवन शरीर पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

आयरन से भरपूर रेड मीट और कैंसर का खतरा

आमतौर पर माना जाता रहा है कि रेड मीट शरीर को भरपूर आयरन और विटामिन बी12 देता है। आयरन हमारे शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है। लेकिन, वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि रेड मीट का ज्यादा सेवन कई तरह की मुश्किलें भी पैदा कर सकता है।

रेड मीट में हीम आयरन होता है। यह शरीर में जल्दी अवशोषित हो जाता है, लेकिन यही दिक्कत भी है। जब यह ज्यादा मात्रा में आंतों में जाता है तो वहां एन-नाइट्रोसो कंपाउड नाम के हानिकारक केमिकल बनाता है। ये हमारे डीएनए को नुकसान पहुंचा सकते हैं और धीरे-धीरे बड़ी आंत (कोलन) का कैंसर पैदा कर सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ की कर चुका है अलर्ट

साल 2015 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने स्पष्ट किया कि रेड मीट कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है, खासकर अगर इसे रोजाना और ज्यादा मात्रा में खाया जाए। रेड मीट की जगह चिकन का सेवन करना आपके लिए अधिक लाभकारी हो सकता है, ये भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। शोध से पता चलता है कि रेड मीट खाने से कैंसर के अलावा दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

हृदय स्वास्थ्य से संबंधित दिक्कतें

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, रेड मीट में सैचुरेटेड फैट और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी बहुत ज्यादा होती है। ये दोनों चीजें खून में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा देती हैं। इसकी अधिकता खून की नलियों में ब्लॉकेज का कारण बन सकती है। यही ब्लॉकेज आगे चलकर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

एक अन्य शोध में पाया गया कि रेड मीट में मौजूद एल-कार्निटाइन नामक पदार्थ आंतों में जाकर एक प्रकार का केमिकल बनाता है, जो दिल की नलियों को और सख्त कर देता है। रेड मीट खाने से दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

गाउट जैसी समस्याओं का जोखिम

रेड मीट में प्यूरिन नामक पदार्थ भी अधिक होता है, जो शरीर में यूरिक एसिड बनाता है। अगर आप ज्यादा रेड मीट खाते हैं तो शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है। ज्यादा यूरिक एसिड से जोड़ों में दर्द, सूजन और गठिया (गाउट) जैसी समस्या होने लगती है। कई शोध बताते हैं कि रेड मीट गाउट और हड्डियों से संबधित दिक्कतों को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, नहीं होंगी खराब

आईलैश एक्सटेंशन एक लोकप्रिय सौंदर्य उपचार है, जो आंखों को बड़ा और आकर्षक दिखाने में मदद करता है, लेकिन इसे करवाने के बाद कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है ताकि यह लंबे समय तक टिक सके। अगर आप पहली बार आईलैश एक्सटेंशन करवा रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। इससे न केवल आपकी आईलैश एक्सटेंशन बेहतर दिखेगी, बल्कि वह लंबे समय तक टिकेगी। आइए इन बातों के बारे में जानते हैं।

सबसे पहले आईलैश एक्सटेंशन के बाद आंखों को पानी से दूर रखें

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद सबसे जरूरी बात यह है कि आपको 48 घंटे तक अपनी आंखों को पानी से दूर रखना चाहिए। इससे गोंद सही से जम पाती है और आपकी आईलैश एक्सटेंशन लंबे समय तक टिक सकती है। पानी के संपर्क में आने से गोंद कमजोर हो सकती है, जिससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन जल्दी खराब हो सकती है। इसलिए पहले 48 घंटे तक पानी से पूरी तरह बचें।

भारी मेकअप करने से बचें

आईलैश एक्सटेंशन करवाने के बाद भारी मेकअप करने से बचें, खासकर आंखों का मेकअप। इससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन पर बुरा असर पड़ सकता है। हल्का मेकअप ही करें ताकि आपकी आईलैश एक्सटेंशन सुरक्षित रहे और अच्छी दिखे। भारी मेकअप से गोंद पर असर पड़ सकता है, जिससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन जल्दी खराब हो सकती है। इसलिए हल्का और प्राकृतिक मेकअप ही करें ताकि आपकी आईलैश एक्सटेंशन लंबे समय तक टिक सके।

तेल वाले उत्पादों से बचें

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद तेल वाले उत्पादों का उपयोग न करें जैसे कि तेल वाली क्रीम या सीरम आदि। ये गोंद को कमजोर कर सकते हैं और आपकी आईलैश एक्सटेंशन को खराब कर सकते हैं। इसके बजाय आप पानी या हल्के टोनर का उपयोग करें जो आपकी त्वचा को साफ रखेगा बिना आपकी आईलैश एक्सटेंशन को नुकसान पहुंचाए। इससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन सुरक्षित रहेगी और लंबे समय तक टिकेगी।

आईलैश एक्सटेंशन को छूने और खींचने से बचें

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद उन्हें बार-बार छूने या खींचने से बचें क्योंकि इससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन कमजोर हो सकती है। अगर आपको खुजली हो रही हो तो हल्के हाथों से खुजाएं या आईलैश ब्रश का उपयोग करें। इसके अलावा कभी भी आईलैश एक्सटेंशन को खींचने की कोशिश न करें, इससे आपकी प्राकृतिक आईलैश भी निकल सकती हैं। ऐसा करने से आपकी आईलैश एक्सटेंशन की उम्र कम हो सकती है।

नियमित रूप से आईलैश ब्रश का करें इस्तेमाल

आईलैश एक्सटेंशन को साफ रखने के लिए नियमित रूप से आईलैश ब्रश का उपयोग करें। इससे आपके आईलैश सेट सही स्थिति में रहेगा और वह आकर्षक दिखेगा। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपनी आईलैश एक्सटेंशन को सुरक्षित रख सकते हैं और उसे लंबे समय तक टिके रहने वाली बना सकते हैं। ध्यान रखें कि सही देखभाल ही आपकी खूबसूरती को बनाए रखेगी।

हाई ब्लड प्रेशर के लिए सिर्फ नमक ही 'विलेन' नहीं, ये चीजें भी बढ़ा सकती हैं खतरा

हाई ब्लड प्रेशर भले ही आज के समय में एक आम सी समस्या बन गई है, पर असलियत ये है कि ये स्थिति सेहत के लिए बहुत खतरनाक हो सकती है। कम उम्र के लोगों में भी ब्लड प्रेशर की दिक्कत अब तेजी से बढ़ती जा रही है। आधुनिक जीवनशैली ने तनाव, नींद की कमी, फास्ट फूड की लत और बैठे रहने की आदत बना दी है। नतीजा ये है कि हाई ब्लड प्रेशर की उम्र घट गई और अब ये युवाओं को भी अपना शिकार बनाता जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ ब्लड प्रेशर को 'साइलेंट किलर' समस्या के रूप में वर्गीकृत करते हैं क्योंकि ये धीरे-धीरे शरीर के हर अंग को चुपचाप नुकसान पहुंचाने लगता है। जिन लोगों में हाई बीपी की दिक्कत होती है उनमें हृदय और किडनी रोगों के साथ, आंखों और दिमाग से जुड़ी बीमारियां भी हो सकती हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

> विशेषज्ञ, हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर समस्या के रूप में वर्गीकृत करते हैं क्योंकि ये धीरे-धीरे शरीर के हर अंग को चुपचाप नुकसान पहुंचाने लगती है। जिन लोगों में हाई बीपी की दिक्कत होती है उनमें हृदय और किडनी रोगों के साथ, आंखों और दिमाग से जुड़ी बीमारियां भी हो सकती हैं।

सिर्फ नमक ही नहीं है विलेन

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि सिर्फ आहार से नमक की मात्रा को ही कम कर दिया जाए तो ये हाई ब्लड प्रेशर से बचाए रखने में मददगार है, पर ये बात पूरी तरह से सही नहीं है। आहार विशेषज्ञ बताते हैं, सिर्फ नमक ही नहीं, चीनी-ज्यादा कैफीन, शराब-धूम्रपान और लगातार स्क्रीन के संपर्क में रहना भी समस्याएं बढ़ाने वाला हो सकता है। आइए जानते हैं कि नमक के अलावा और किन-किन चीजों के कारण भी आपका ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है?

इन चीजों से भी बढ़ता है ब्लड प्रेशर

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नमक के अलावा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन और पेय पदार्थों में पाई जाने वाली अतिरिक्त चीनी भी रक्तचाप बढ़ा सकती है। इन चीजों के अधिक सेवन के कारण दिल का दौरा, स्ट्रोक और समय से पहले मौत का खतरा भी बढ़ सकता है। शोध से पता चलता है कि जो लोग अपनी दैनिक कैलोरी का एक चौथाई से अधिक, ऐडेड शुगर वाली चीजों से प्राप्त करते हैं, उनमें हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग और इससे मरने की आशंका तीन गुना तक अधिक हो सकती है। आमतौर पर कोल्ड ड्रिंक्स-सोडा और रेडी टू ईट खाद्य पदार्थों में ऐडेड शुगर की मात्रा अधिक होती है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

विशेषज्ञों का कहना है कि अतिरिक्त शुगर और इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी की कमी के कारण लोग तय मात्रा से ज्यादा चीनी का सेवन कर रहे हैं, जिससे कई संभावित जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ रहा है। पहले के अध्ययनों में भी ये स्पष्ट हो चुका है कि अधिक चीनी के सेवन और मेटाबॉलिक सिंड्रोम के बीच गहरा संबंध है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम के कारण व्यक्ति में टाइप-2 डायबिटीज, ब्लड प्रेशर से लेकर हृदय तथा रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करने वाली अन्य समस्याओं का जोखिम भी बढ़ जाता है।

यूरिक एसिड और इससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा

कुछ शोधकर्ताओं ने यह भी सुझाव दिया है कि अतिरिक्त शर्करा वाली चीजें शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को भी बढ़ा सकती है। यूरिक एसिड का उच्च स्तर किडनी में नाइट्रिक ऑक्साइड के सामान्य उत्पादन में बाधा डाल सकती है, जो रक्त वाहिकाओं को शिथिल करने में मदद करता है। ऐसा माना जाता है कि यूरिक एसिड की अधिकता किडनी में रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है। शोधकर्ताओं का सुझाव है कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए नमक के साथ एडेड शुगर और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन कम करना भी जरूरी है। खानपान में इन सुधारों के साथ शारीरिक सक्रियता को बढ़ाना भी जरूरी है।

क्या आपके लिए सही है थीमैटिक इन्वेस्टिंग? इसमें निवेश की सही रणनीति क्या

थीमैटिक इन्वेस्टिंग हाल के वर्षों में लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि चाहने वाले निवेशकों के लिए एक अहम रणनीति के रूप में उभरकर सामने आई है। पारंपरिक व्यापक निवेश की बजाय इसमें खास थीमों में निवेश किया जाता है, जैसे क्लीन एनर्जी, फिनटेक या हेल्थकेयर। इनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहती है।

लेकिन यह रणनीति हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल थीमैटिक एडवांटेज फंड के भरत शाह के अनुसार निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि जीडीपी ग्रोथ, महंगाई, कच्चे तेल की कीमतें और करेंसी मूवमेंट जैसे मैक्रो वेरिएबल्स अलग-अलग सेक्टर्स को कैसे प्रभावित करते हैं। अधिकतर निवेशकों के पास इस तरह की गहन रिसर्च और विश्लेषण के लिए न तो समय होता है और न ही संसाधन।

शाह कहते हैं कि पिछले बाजार अनुभव भी यही चेतावनी देते हैं। साल 2014 से 2015 के बीच फार्मा शेयरों को लेकर निवेशकों में जबरदस्त उत्साह देखा गया और इस सेक्टर में एसेट इनफ्लो 69% तक बढ़ गया। लेकिन 2018 तक यही सेक्टर तीन वर्षों में -12.07% की निगेटिव CAGR देकर निवेशकों को नुकसान पहुंचा गया। साफ है कि बिना एक्जिट स्ट्रैटेजी के सिर्फ हाइप के आधार पर निवेश करना खतरनाक साबित हो सकता है।

इसके अलावा, सेक्टोरल विजेता अक्सर चक्रीय होते हैं। जो सेक्टर एक साल में टॉप पर होता है, वही अगले साल पिछड़ सकता है। इसलिए लगातार निगरानी और समय पर री-एलोकेशन बेहद जरूरी है, जो आम निवेशकों के लिए कठिन कार्य है। भावनात्मक पक्षपात भी इसमें रुकावट डालते हैं- तेजी के दौर में लालच और गिरावट के समय डर, अक्सर अच्छी-खासी योजनाओं को बिगाड़ देते हैं। यही वजह है कि नियम-आधारित एंट्री, एग्जिट और रीबैलेंसिंग रणनीति अपनाना जरूरी है। टैक्सेशन भी इसमें एक बड़ी जटिलता है। अगर रीबैलेंसिंग कम अवधि में होती है तो टैक्स का बोझ वास्तविक रिटर्न घटा सकता है। इसलिए टैक्स-अवेयर पोर्टफोलियो की प्लानिंग करना जरूरी है।

शाह कहते हैं कि बड़ा सवाल है कि उभरते निवेश ट्रेंड्स का फायदा चाहने वाले निवेशक क्या करें? विशेषज्ञ मानते हैं कि अधिकांश निवेशकों को थीमैटिक एक्सपोजर को पेशेवर प्रबंधन और अनुशासित ढांचे के साथ जोड़कर निवेश करना चाहिए। इसका एक बेहतर तरीका है थीमैटिक म्यूचुअल फंड्स या थीमैटिक फंड ऑफ फंड्स (FOF) में निवेश, जिनमें पहले से ही डायवर्सिफिकेशन, रीबैलेंसिंग प्रोटोकॉल और एक्सपर्ट ओवरसाइट मौजूद होती है।

एक विकल्प है आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल थीमैटिक एडवांटेज फंड (FOF)। यह स्कीम विभिन्न सेक्टर्स और थीम्स में उभरते अवसरों में निवेश करती है। 30 जुलाई 2025 तक इस फंड ने एक साल में 8.23% का रिटर्न दिया है। वहीं लंबी अवधि में इसका प्रदर्शन और मजबूत रहा है। इसने तीन साल में 20.68% CAGR और पांच साल में 26.08% CAGR का दमदार रिटर्न दिया है।

ऑनलाइन फूड ऑर्डर करने वालों के लिए बड़ा अपडेट, स्वीगी-जोमेटो के बिल में जल्द जुड़ने वाला है एक नया चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ज़ोमैटो और स्विगी से खाना ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को जल्द ही बड़ा झटका लग सकता है। जीएसटी काउंसिल के एक अहम फैसले के बाद अब इन कंपनियों को डिलीवरी चार्ज पर भी 18त्न जीएसटी चुकाना होगा, जिससे उन पर हर साल 180-200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कंपनियों ने साफ संकेत दिए हैं कि वे इस बोझ को अकेले नहीं उठाएंगी, बल्कि इसे ग्राहकों और डिलीवरी पार्टनर्स पर डालेंगी।

क्या है पूरा मामला?

जीएसटी काउंसिल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऑनलाइन मार्केटप्लेस द्वारा वसूले जाने वाले डिलीवरी शुल्क पर 18त्न जीएसटी लागू होगा। अब तक यह टैक्स सीधे तौर पर डिलीवरी पार्टनर्स पर लागू नहीं होता था, जिससे कंपनियां इस देनदारी से बच रही थीं। इस फैसले के बाद कंपनियों की लागत में भारी इजाफा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, ज़ोमैटो और स्विगी इस अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए दोहरी रणनीति पर काम कर रही हैं। इसके तहत या तो डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई में कटौती की जाएगी या फिर ग्राहकों से हर ऑर्डर पर एक नई 'सर्विस लेवी वसूली जाएगी।

कंपनियां नहीं उठाएंगी बोझ

इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ज़ोमैटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, टैक्स का यह बोझ पूरी तरह से कंपनी द्वारा वहन नहीं किया जाएगा। इसकी वसूली आंशिक रूप से डिलीवरी वर्कर्स की कमाई से और आंशिक रूप से ग्राहकों से की जाएगी। स्विगी ने भी इसी तरह की रणनीति अपनाने की पुष्टि की है। यह विवाद नया नहीं है। इससे पहले दिसंबर 2024 में, ज़ोमैटो को टैक्स अधिकारियों की ओर से 803 करोड़ रुपये के बकाए टैक्स और जुर्माने का नोटिस मिला था। स्विगी को भी इसी तरह की देनदारी का सामना करना पड़ा था। अब काउंसिल के इस नए स्पष्टीकरण ने तस्वीर पूरी तरह साफ कर दी है।

कीमतें बढ़ना तय

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का असर सिर्फ फूड डिलीवरी पर ही नहीं, बल्कि क्विक कॉमर्स सेक्टर पर भी पड़ेगा। अब तक ग्राहकों को लुभाने के लिए दी जाने वाली मुफ्त या सस्ती डिलीवरी की पेशकश खत्म हो सकती है और हर ऑर्डर पर ग्राहकों को 18त्न जीएसटी समेत अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। ब्रोकरेज फर्मों ने भी इसे दोनों कंपनियों के लिए एक नकारात्मक संकेत बताया है, हालांकि उनका मानना है कि कंपनियां अपने मुनाफे पर असर कम करने के लिए इसका बोझ ग्राहकों और पार्टनर्स पर डाल देंगी।

जीएसटी में कटौती से दोपहिया वाहनों की मांग में 200 और यात्री वाहनों की मांग में 100 आधार अंक की वृद्धि की उम्मीद : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग के कुल कारोबार में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले दोपहिया और यात्री वाहनों (पीवी) की मांग में क्रमशः 200 आधार अंक (बीपीएस) और 100 आधार अंक की वृद्धि होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

इसके परिणामस्वरूप, इस वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5-6 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि पीवी की बिक्री में 2-3 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर परिषद का 22 सितंबर से प्रभावी 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-दर संरचना अपनाने का निर्णय एक सही समय पर उठाया गया कदम है, जिससे ऑटोमोबाइल की मांग में फिर से तेजी आएगी। मांग में सुधार के अलावा, सरलीकृत स्लैब अनुपालन को भी सुव्यवस्थित करेंगे और सुगम अंतरराज्यीय कराधान के माध्यम से लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेंगे, जिससे वैल्यू चेन में लाभप्रदता को बढ़ावा मिलेगा।

क्रिसिल रेटिंग्स के सीनियर डायरेक्टर अनुज सेठी ने कहा, जीएसटी कटौती का पूरा लाभ मिलने से वाहनों की कीमतों में 5-10 प्रतिशत (छोटे पीवी पर 30,000-60,000 रुपए; दोपहिया वाहनों पर 3,000-7,000 रुपए) की गिरावट आने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि नवरात्रि और त्योहारी सीजन के साथ दरों में कटौती होने से, मार्केट सेंटीमेंट को समय रहते बढ़ावा मिलेगा। नए लॉन्च, कम ब्याज दरों और बेहतर अफोर्डिबिलिटी के साथ, इससे ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए दूसरी छमाही में मजबूती आनी चाहिए।

संशोधित जीएसटी स्ट्रक्चर के तहत, छोटे पीवी, 350 सीसी तक के दोपहिया वाहन (इस सेगमेंट की बिक्री का लगभग 90 प्रतिशत), वाणिज्यिक वाहन (सीवी) और तिपहिया वाहनों पर दरें 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएंगी।

मध्यम और बड़े आकार के पीवी वाहनों पर भी 3-7 प्रतिशत की कटौती होगी, जबकि ट्रैक्टरों पर कर की दर क्रमशः 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत हो जाएगी।

सीवी के लिए, कम जीएसटी 1 अक्टूबर, 2025 से अनिवार्य एसी केबिन की आवश्यकता से होने वाले लागत दबाव की भरपाई करेगा। इसके विपरीत, 350 सीसी से अधिक की मोटरसाइकिलों पर कर की दर में वृद्धि होगी, जो वर्तमान 31 प्रतिशत की तुलना में 40 प्रतिशत की विशेष दर पर आ जाएगी, जिसमें क्षतिपूर्ति उपकर भी शामिल है, जिससे वे महंगी हो जाएंगी।

क्रिसिल रेटिंग्स की डायरेक्टर पूनम उपाध्याय ने कहा, अधिक उत्पादन क्षमता उपयोग और परिचालन क्षमता में सुधार करेगा, जिससे वाहन निर्माताओं के लिए नकदी प्रवाह और बेहतर मार्जिन बढ़ेगा, जिससे उनकी पहले से ही स्थिर क्रेडिट प्रोफाइल मजबूत होगी।

ट्रंप ने माना रूस यूक्रेन युद्ध रोकने में रहे असफल, कहा- नहीं कर पाया अपना वादा पूरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से संघर्ष चल रहा है और अभी भी इसके थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं है। कारण है कि पिछले दिनों इस संघर्ष को खत्म करने के सभी प्रयास विफल होते दिख रहे है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वह अपने एक बड़े चुनावी वादे को पूरा नहीं कर सके। ट्रंप ने माना कि वह रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे कठिन संघर्ष बताया।

ट्रंप ने ये बात व्हाइट हाउस के नए नवीनीकरण के बाद आयोजित पहले आधिकारिक डिनर पर कही। इस दौरान ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उन्होंने दुनिया के कई पुराने युद्धों को खत्म किया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इस डिनर में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य और अन्य वरिष्ठ मेहमान मौजूद थे।

पुतिन के साथ अच्छी बातचीत, लेकिन...

ट्रंप ने आगे कहा कि मैंने सोचा था रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे आसान होगा, क्योंकि मेरी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अच्छे संबध है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह सबसे मुश्किल निकला। उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में कि एक युद्ध जो 31 साल से चल रहा था, 2 घंटे में खत्म हुआ, दूसरा 35 साल, और तीसरा 37 साल पुराना संघर्ष भी उन्होंने सुलझा लिया।

चुनावी वादा 24 घंटे में युद्ध खत्म करने का दावा

बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। अगस्त में हुई अलास्का शिखर बैठक को उन्होंने उत्पादक बताया, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ।

ट्रंप का भरोसा बरकरार

इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि लोगों ने कहा था कि ये युद्ध खत्म नहीं हो सकते, लेकिन मैंने उन्हें खत्म किया। रूस और यूक्रेन वाला कठिन है, पर हम इसे भी हल करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने अपने युद्ध रोकने के पहले के दावे में बदलाव करते हुए कहा कि उन्होंने सात नहीं, तीन युद्ध रोके हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये कौन-कौन से युद्ध थे।

'एपस्टीन के खिलाफ एफबीआई के मुखबिर थे ट्रंप', अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने दावा किया है कि जेफ्री एपस्टीन मामले में राष्ट्रपति ट्रंप एफबीआई के मुखबिर थे। जॉनसन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ट्रंप ने कहा है कि एपस्टीन मामला डेमोक्रेटिक पार्टी का धोखा है। दरअसल अमेरिका में एपस्टीन मामले से जुड़ीं फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग लगातार उठ रही है। इसके चलते सरकार पर दबाव बढ़ रहा है।

माइक जॉनसन ने कही ये बात

इस मामले को लेकर जब अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'वे (ट्रंप) ये नहीं कह रहे कि एपस्टीन ने छल किया, यह बहुत बड़ा गुनाह है। जब उन्होंने एपस्टीन के खिलाफ अफवाहें सुनीं तो ट्रंप ने अपने मार ए लागो रिजॉर्ट से जेफ्री एपस्टीन को निकाल दिया था। एपस्टीन के खिलाफ ट्रंप एफबीआई के मुखबिर भी रहे। राष्ट्रपति की पीड़ित महिलाओं के प्रति गहरी संवेदना है।'। हालांकि अभी तक व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जेफ्री एपस्टीन के कई हाई प्रोफाइल लोगों से थे संबंध

राष्ट्रपति ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 'ये पूरा छल डेमोक्रेटिक पार्टी का है क्योंकि वे लोगों का ध्यान हमारी सरकार की सफलता से हटाकर इस अप्रांसगिक मामले को उठा रहे हैं।' जेफ्री एपस्टीन एक बदनाम यौन तस्कर था, जिस पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करने का आरोप है। साल 2019 में एपस्टीन को यौन तस्कर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और जेल में ही कथित तौर पर उसने आत्महत्या कर ली थी। जेफ्री एपस्टीन के ग्राहकों की लिस्ट में राजनीति, उद्योग और व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत ताकतवर और संपन्न लोगों के नाम हैं। हालांकि अमेरिकी न्याय विभाग और संघीय जांच ब्यूरो (FBI) ने कहा है कि एपस्टीन के पास कोई ऐसी सूची नहीं थी जिसमें बड़े लोगों के नाम शामिल हों। उसने यह भी कहा कि एपस्टीन ने आत्महत्या की थी, जबकि संदेह जाहिर किया जा रहा है कि एपस्टीन की हत्या की गई थी। डोनाल्ड ट्रंप और एपस्टीन के संबंधों को लेकर भी कई सवाल उठाए गए हैं।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा रद्द, क्या पाकिस्तान ने लगाया अड़ंगा?

काबुल। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की इस महीने प्रस्तावित भारत यात्रा रद्द हो गई है। बताया जा रहा है कि यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल (UNSC) ने मुत्तकी को यात्रा प्रतिबंधों में छूट देने से इनकार कर दिया।अगर मुत्तकी भारत आते तो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद किसी अफगानी मंत्री की यह पहली भारत यात्रा होती।

UNSC की 15 सदस्यों वाली 1988 प्रतिबंध समिति तालिबान नेताओं पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती और हथियारों पर रोक की निगरानी करती है। पाकिस्तान फिलहाल इस समिति का अध्यक्ष है। अगर समिति का एक भी सदस्य आपत्ति जताता है तो प्रतिबंधों में छूट देने से इनकार किया जा सकता है। तालिबानी नेताओं को विदेश यात्राओं के लिए समिति से अनुमति लेनी होती है। मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि पाकिस्तान ने जानबूझकर मुत्तकी को छूट नहीं दी। मुत्तकी पिछले महीने पाकिस्तान जाने वाले थे, लेकिन अमेरिका की आपत्ति की वजह से उन्हें यात्रा रद्द करनी पड़ी थी।

भारत ने यात्रा को लेकर जवाब नहीं दिया

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी मुत्तकी की यात्रा को लेकर सीधा जवाब नहीं दिया। रणधीर ने 5 सितंबर को हुई विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में कहा, 'अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारे दीर्घकालिक संबंध हैं। भारत अफगान लोगों की आकांक्षाओं और जरूरतों का समर्थन करता रहेगा। हम अफगान अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। अगर इससे जुड़ा कोई अपडेट होगा, तो हम आपके साथ साझा करेंगे।'

भारत ने भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 15 मई को मुत्तकी से फोन पर बात की थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद यह दिल्ली और काबुल के बीच उच्चतम स्तर का संपर्क था। इससे पहले जनवरी में मुत्तकी और विदेश सचिव विक्रम मिस्री की दुबई में मुलाकात हुई थी। मुत्तकी और जयशंकर ने 1 सितंबर को फिर से फोन पर बात की थी, तब भारत ने अफगानिस्तान में आए भूकंप के बाद राहत सामग्री भेजी थी।

भारत ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी

भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। भारत अफगानिस्तान में समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है। भारत इस बात पर भी जोर देता है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तालिबान ने अप्रैल में कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले की भी निंदा की थी। भारत ने बीते कई सालों से तालिबान नेतृत्व से वार्ता करता रहा है। ऐसे समय में जब चीन अफगानिस्तान में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत भी अपने क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए तालिबान सरकार से संपर्क बनाए हुए है।

जिंदा थीं, मदद के लिए पुकारती रहींफिर भी क्यों नहीं बचाई जा सकीं अफगानी महिलाएं?

काबुल। जंग हो या त्रासदी, सबसे बड़ा खामियाजा हमेशा औरतों को ही भुगतना पड़ता है। ये कोई महज भावनात्मक बयान नहीं बल्कि ठोस आकंड़ा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के मुताबिक, जब कोई आपदा आती है तो महिलाओं और बच्चों के मरने की संभावना पुरुषों से 14 गुना ज्यादा होती है।इसी सच्चाई को एक बार फिर साबित कर दिया है अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप ने।

6.0 तीव्रता वाले इस भूकंप ने हजारों जिंदगियां लील ली हैं। अब तक 2200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। 3000 से ज्यादा घायल हैं और कई जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। लेकिन इन 2200 मौतों में से कई औरतों की जान बच सकती थी। क्योंकि वे अभी भी जिंदा थीं, उनकी सांसें चल रही थीं, उम्मीद बाकी थी। मलबे के नीचे दबे हाथ मदद के लिए हिल रहे थे, आँखें जिंदगी की भीख मांग रही थीं। मगर इस उम्मीद के बीच आ खड़ी हुईं अफगानिस्तान की रूढ़िवादी परंपराएं। ऐसी परंपराएं, जिनके चलते राहतकर्मी उन्हें हाथ नहीं लगा सके। और नतीजा, जिंदा औरतें भी दम तोड़ गईं।

परंपराएं जो बनीं मौत का कारण

अफगान समाज में लंबे समय से महिलाओं को लेकर सख्त पाबंदियां हैं। किसी गैर मर्द द्वारा छूना या हाथा लगाना गुनाह माना जाता है। भूकंप के बाद जब राहतकर्मी मौके पर पहुंचे तो उन्हें महिलाओं को निकालने से पहले परिवार या समाज की इजाजत लेनी पड़ी। इस देरी में कई जिंदगिया खत्म हो गईं।

शव कपड़े से खींचे गए

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब महिलाएं मलबे में फंसी थीं, तो राहतकर्मियों ने उन्हें सीधे हाथ लगाने की बजाय कपड़ों या चादरों से खींचकर बाहर निकाला। कई बार इस प्रक्रिया में देर हो गई और महिलाएं मौके पर ही दम तोड़ बैठीं। सिर्फ यही नहीं महिलाओं के इलाज में भी भेदभाव देखा गया। कुनार प्रांत में पीड़ितों की मदद के लिए अस्पतालों में पुरुष और महिला मरीजों को अलग-अलग रखा गया। महिला डॉक्टरों की कमी होने की वजह से कई महिलाएं सही इलाज तक नहीं पा सकीं।

महिला डॉक्टर और राहतकर्मियों की कमी

बचाव कार्य के दौरान महिला डॉक्टर और महिला कर्मियों की भारी कमी खली। ऊपर से महिलाओं पर जबसे तालिबान का शासन चल रहा है तब से महिलाओं के बुनियादी अधिकार भी छिन लिए गए हैं। उन पर सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। मसलन लड़कियों को छठी कक्षा के बाद पढ़ाई की अनुमति नहीं है। बिना पुरुष साथी के महिलाएं यात्रा नहीं कर सकतीं। नौकरी और सरकारी जगहों पर चेहरे ढकना अनिवार्य है। राजनीतति और सार्वजनिक जीवन से महिलाओं की भागीदारी लगभग खत्म हो गई है।

'अमेरिका के साथ बातचीत चल रही', भारत से रिश्तों पर ट्रंप के बदले सुर के बीच जयशंकर का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका रिश्ते अब भी बने हुए हैं। दोनों देश लगातार बातचीत कर रहे हैं। उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के रिश्ते दूरदर्शी हैं। भारत और अमेरिका के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान का जवाब दे रहे थे, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत-अमेरिका संबंधों पर सकारात्मक बात कहने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, 'पीएम मोदी अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। जहां तक राष्ट्रपति ट्रंप का सवाल है, पीएम मोदी के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हमेशा से बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। हालांकि, यहां मुद्दा यह है कि हम अमेरिका के साथ जुड़े हुए हैं। हमारे संबंध बने हुए हैं। हम बातचीत कर रहे हैं। इस समय मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता।'

पहले जानते हैं ट्रंप ने क्या कहा था...

दरअसल, शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप से सवाल किया गया कि क्या वे भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं, लेकिन मुझे इस समय उनके काम पसंद नहीं आ रहे हैं। हालांकि, भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है। चिंता की कोई बात नहीं है। हमारे बीच ऐसे पल आते जाते हैं।

इस पर पीएम मोदी ने क्या कहा?

ट्रंप के बयान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया। इसमें ट्रंप के बयान वाले एएनआई के पोस्ट को साझा कर पीएम मोदी ने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं। हम उनका पूर्ण समर्थन करते हैं। भारत और अमेरिका के बीच बहुत ही सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक, वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी है।'

त्योहारी सीजन पर मुंबई में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 30 दिनों तक ड्रोन पर बैन

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने गणेश विसर्जन के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 6 सितंबर से अगले 30 दिनों तक शहर में ड्रोन, पैराग्लाइडर्स, गुब्बारे, और अन्य किसी भी प्रकार की उड़ने वाली वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आज से 5 अक्टूबर तक यह आदेश लागू रहेगा। यह निर्णय विशेष रूप से गणपति विसर्जन और उससे जुड़ी भीड़भाड़ के मद्देनज़र लिया गया है, जिससे किसी भी संभावित खतरे घटना को रोका जा सके।

मुंबई शहर में 6 सितंबर से 5 अक्टूबर तक हॉट एयर बैलून, रिमोट-कंट्रोल माइक्रोलाइट विमान, पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंग ग्लाइडर और ड्रोन उड़ाने पर अस्थायी प्रतिबंध लागू किया गया है। यह प्रतिबंध प्रतिदिन रात 12:01 बजे से लेकर रात 12:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। केवल मुंबई पुलिस द्वारा की जाने वाली हवाई निगरानी या उपायुक्त (संचालन) से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त गतिविधियों को इससे छूट दी गई है। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर अपनी नजर बनाए हुए है।

सुरक्षा व्यवस्था का कड़ा प्रबंध

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी प्रतिबंध 6 सितंबर से प्रभावी होकर 5 अक्टूबर 2025 तक कुल 30 दिनों की अवधि के लिए लागू रहेंगे। इन नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सकती है उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना लगाया जा सकता है और गिरफ्तारी भी की जा सकती है।

उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

मुंबई इन दिनों गणेश उत्सव की धूम में डूबा हुआ है, बप्पा की भक्ति का रंग चढ़ा हुआ है। खासकर लालबागचा राजा के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं, इन दिनों काफी भीड़ भी देखी जा रही है। इनमें आम लोग ही नहीं, बल्कि फिल्मी सितारे और कई वीआईपी हस्तियां भी शामिल हैं। इस भारी भीड़ और लगातार बढ़ती आवाजाही को देखते हुए मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था को पहले से कहीं और ज्यादा मजबूत किया गया है।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे, जेनेलिया डिसूजा के लुक ने जीता फैंस का दिल

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं।

जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है। बालों को उन्होंने हल्का कर्ल कर करके पीछे की ओर बांधा हुआ है, और उसमें सफेद फूलों का एक छोटा सा गजरा है, जो उनके पूरे लुक में चार चांद लगा रहा है।

पहली तस्वीर में जेनेलिया नीचे बैठी हैं, उनकी नजरें झुकी हुई हैं और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है, मानो वो किसी सुनहरे ख्यालों में डूबी हुई हों।

दूसरी तस्वीर क्लोजअप क्लिक है। इसमें वह पलके नीचे झुकाते हुए कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह खड़ी हैं और कहीं और देख रही हैं।

इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे। जेनेलिया के इस पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। लोग उनके लुक के साथ-साथ आउटफिट की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, आपकी स्माइल ही तो हमारी मुस्कान की वजह है। दूसरे फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती की बात ही अलग है। अन्य फैंस ने उन्हें एथनिक क्वीन का टैग दिया।

अनुष्का शेट्टी की एक्शन-थ्रिलर फिल्म घाटी का ट्रेलर रिलीज़, प्रभास ने दीं शुभकामनाएं

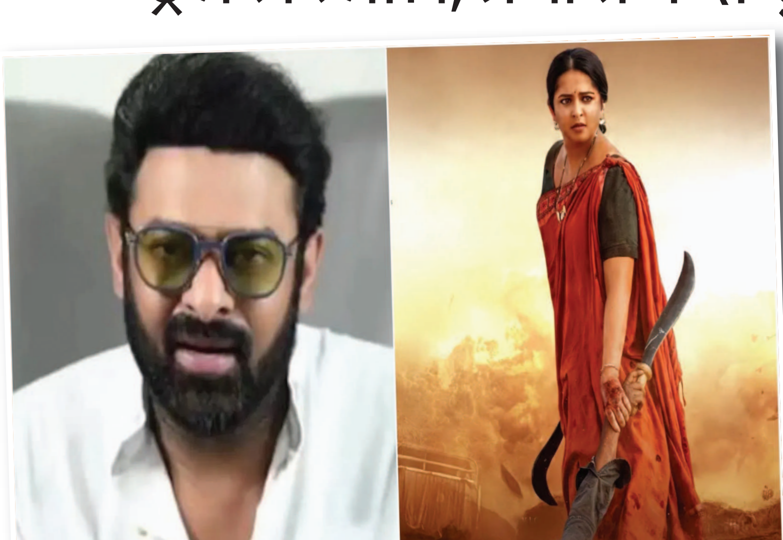

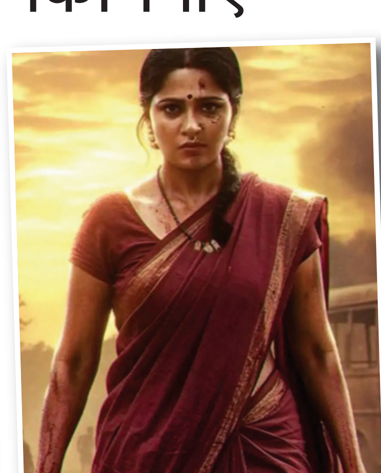

प्रभास ने रिलीज़ किया घाटी का ट्रेलर। कृष द्वारा निर्देशित अनुष्का शर्मा की हाई-आक्टेन महिला-केंद्रित मनोरंजक फिल्म घाटी 5 सितंबर 2025 को शानदार रिलीज़ के लिए तैयार है।

फिल्म के गानों, टीज़र और ट्रेलर को हर तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और आज निर्माताओं ने इसका ट्रेलर रिलीज़ कर दिया। पैन इंडिया स्टार प्रभास ने खुद घाटी का ट्रेलर रिलीज़ किया और निर्माताओं को शुभकामनाएँ दीं।

ट्रेलर में अनुष्का ने दमदार अभिनय किया है और इसमें विक्रम प्रभु, चैतन्य राव, जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। अनुष्का शेट्टी शीलावती के रूप में नज़र आ रही हैं, जबकि विक्रम प्रभु और चैतन्य राव देसी राजू और कुंदुल नायडू की भूमिका निभा रहे हैं।

एक मिनट की रिलीज़ झलक में अनुष्का के हाव-भाव और भावनाओं में विविधता दिखाई दे रही है और वे लुभावने और शानदार स्टंट करती नज़र आ रही हैं। अंत में उन्होंने ज़ोरदार अंदाज़ में वाल्लूरुकोरु वील्लूरुकोरु अंते नेनूरुकोनु कहा।

घाटी पिछले काफी वक्त से टल रही है। अब अंततः फिल्म रिलीज होने जा रही है। कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित घाटी एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अनुष्का शेट्टी एक दमदार अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर में कुछ एक जगह वो जहां, काफी सीधी-साधी नजर आती हैं, तो वहीं कई जगह वो जबरदस्त एक्शन करते भी दिखती हैं।

'भारत की पहली वुमन सुपरहीरो आ गई है', मलयालम फिल्म 'लोका' की फैन बनीं प्रियंका चोपड़ा

मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' को सिनेमाघरों में 9 दिन हो चुके हैं। हाल ही में यह हिंदी वर्जन में भी दर्शकों को देखने को मिल रही है। इस फिल्म की तारीफ बॉलीवुड सेलेब्स भी कर रहे हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म 'लोका' को सराहा।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट मलयालम फिल्म 'लोका' को लेकर शेयर की है। वह इस फिल्म को अपनी वॉच लिस्ट में जोड़ चुकी हैं। वह अपने फैंस को भी फिल्म 'लोका' देखने का सजेशन देती हैं। क्यों चर्चा में हैं फिल्म 'लोका', जानिए?

प्रियंका चोपड़ा ने कल्याणी प्रियदर्शन की तारीफ की

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत की पहली वुमन सुपरहीरो आ गई है। फिल्म 'लोका' की पूरी टीम को बधाई। यह कहानी मलयालम में पहले से ही लोगों का दिल जीत रही है। अब यह हिंदी में भी आ गई है। मैंने इसे अपनी वॉचलिस्ट में पहले ही जोड़ लिया है। क्या आपने भी ऐसा किया है?' इस तरह प्रियंका ने जमकर फिल्म 'लोका की तारीफ की।

एक्शन-सुपरहीरो एडवेंचर से भरी है 'लोका' की कहानी

मलयालम फिल्म 'लोका' एक वुमन सुपरहीरो की कहानी है। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर हैं। वह बेंगलुरु में रहने आई है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है।

बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन कर रही है फिल्म

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'लोका' का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 55 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। ऐसे में यह अपना बजट तो पहले ही वसूल कर चुकी है। इस फिल्म को जैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है, उससे लगता है कि यह जल्द ही 100 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com